website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 342 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 18 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

सऊदी अरब बस हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दु:ख

-भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर किया जारी

नई दिल्ली। सऊदी अरब में सोमवार तड़के हुई बस दुर्घटना को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जाहिर किया है। मदीना के पास उमराह यात्रियों से भरी बस एक डीजल टैंकर से टकरा गई, जिसमें कई भारतीयों की मौत हो गई।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट लिख व्यक्त किया दुख

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मदीना में भारतीय नागरिकों से जुड़ी दुर्घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। हमारे अधिकारी सऊदी अरब के अधिकारियों के साथ भी निरंतर संपर्क में हैं।"

जेद्दा और रियाद के महावाणिज्य दूतावास और एंबेसी ने हेल्पलाइन नंबर किया जारी

इस घटना में कई भारतीयों की मौत हो गई है। हालांकि, मौत के आंकड़ों को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद जेद्दा और रियाद के महावाणिज्य दूतावास और एंबेसी ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। जेद्दा में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने घटना की जानकारी दी और मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। जेद्दा में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "सऊदी अरब के मदीना के निकट भारतीय उमराह यात्रियों के साथ हुई एक दुखद

बस दुर्घटना को देखते हुए, जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में एक 24×7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। मदद के लिए संपर्क करने हेतु जानकारी दी गई है: टोल फ्री नंबर 8002440003 है।" इसके साथ ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भी सऊदी अरब में भारतीय उमराह यात्रियों को ले जा रही एक बस के साथ हुए भीषण हादसे में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त किया। राज्य सरकार ने दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों को सूचना और सहायता प्रदान करने के लिए हैदराबाद में एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है। तेलंगाना सरकार ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, "स्थानीय मीडिया में इस दुर्घटना में भारतीय उमराह यात्रियों के मारे जाने की खबर आने के बाद वह रियाद स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में है।" एक आधिकारिक बयान में, राज्य सरकार ने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में अधिकारियों को सतर्क कर दिया है और उन्हें दूतावास के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया है।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा यह पोस्ट

हादसे पर दुख जताते हुए भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा, "सऊदी अरब के मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुर्घटना से गहरा सदमा पहुंचा है। रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दा स्थित वाणिज्य दूतावास इस दुर्घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को पूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।"

सऊदी के साथ द्विपक्षीय समझौते में भारत का कोटा फिक्स

- इस साल पौने दो लाख हज यात्री जाएंगे हज पर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब के जेद्दाह में हज-2026 के लिए द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत का कोटा 1,75,025 हाजियों का तय हुआ। दोनों देशों ने सुविधाएं, आवास, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर चर्चा की। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब के जेद्दाह में द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता हज 2026 की यात्रा के लिए किया गया है। इस समझौते के तहत, 2026 के लिए भारत का कोटा 1,75,025 हाजियों के लिए तय किया गया है। मंत्री रिजिजू ने सऊदी हज और उमरा मंत्री तौफीक बिन फौजान अल रबिया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। किरेन रिजिजू 7 से 9 नवंबर तक सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे। इस दौरान जेद्दाह में हुई बैठक में दोनों मंत्रियों ने हज की जारी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मीटिंग के दौरान, दोनों मंत्रियों ने समन्वय और रसद सहायता को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। ऑफिशियल स्टेटमेंट कहा गया है कि चर्चा सुविधाओं, परिवहन, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर केंद्रित थी। इसका मकसद तीर्थ यात्रियों के लिए एक सहज और आरामदायक ज़ियारत (तीर्थयात्रा) का एक्सपीरिएंस सुनिश्चित करना है।

हज तैयारियों की आंतरिक समीक्षा

बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने जेद्दाह में हज-2026 के लिए भारत और सऊदी अरब के राज्य के बीच द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए। बयान में पुष्टि की गई कि भारत के लिए देश का कोटा 1,75,025 तय किया गया है। यात्रा के दौरान, रिजिजू ने हज-2026 के लिए जारी तैयारियों का आकलन करने के लिए रियाद में भारतीय दूतावास और जेद्दाह में महावाणिज्य दूतावास के अधिकारियों के साथ एक आंतरिक समीक्षा बैठक भी की। उन्होंने भारतीय हाजियों के सुविधा और आराम को सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में मिशन और वाणिज्य दूतावास की टीमें द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

बुनियादी ढांचे का निरीक्षण

मंत्री ने तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की प्रत्यक्ष जानकारी हासिल करने के लिए जेद्दाह और ताइफ में प्रमुख हज और उमरा से संबंधित स्थलों का क्षेत्रीय दौरा भी किया, जिसमें जेद्दाह में टर्मिनल 1 और हरमैन स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने जेद्दाह और ताइफ में भारतीय प्रवासी के कुछ सदस्यों के साथ भी बातचीत की।

भारत-सऊदी संबंधों को मजबूती

बयान में कहा गया है कि यह यात्रा भारत और सऊदी अरब के राज्य के बीच गहरी होती साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि दोनों राष्ट्र विविध क्षेत्रों, विशेष रूप से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामुदायिक कल्याण में सहयोग का विस्तार करें।

दिल्ली कार धमाके के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर गिरी गाज, रद्द हुई सदस्यता

नई दिल्ली। भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने अल फलाह विश्वविद्यालय की सदस्यता निलंबित कर दी है। संघ ने एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय को इस निर्णय की जानकारी दी।

दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके में फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े लोगों का नाम सामने आ रहा है। ऐसे में अब यूनिवर्सिटी के ऊपर भी एक्शन होना शुरू हो गया है। गुरुवार को भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी की सदस्यता को रद्द कर दिया। संघ ने एक आधिकारिक पत्र के जरिए इस निर्णय की जानकारी दी। इस पत्र के माध्यम से संघ ने अल-फलाह से अपना लोगो हटाने और किसी भी रूप में संघ के नाम का उपयोग न करने का भी निर्देश दिया है। संगठन की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि यूनिवर्सिटी की सदस्यता को रद्द किया जाता है। अधिकारिक बयान में कहा गया, 'यह सूचित किया जाता है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) के उपनियमों के अनुसार, सभी विश्वविद्यालयों को तब तक सदस्य माना जाएगा जब तक वे अच्छी स्थिति में रहते हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार,

यह संज्ञान में आया है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा, अच्छी स्थिति में प्रतीत नहीं होता है। तदनुसार, अल-फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा को दी गई AIU की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित की जाती है।" संगठन ने इस बात की भी पुष्टि की कि विश्वविद्यालय AIU के नाम या लोगो का उपयोग नहीं कर सकता है। इसमें कहा गया है, "इसके अलावा, यह सूचित किया जाता है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय को अपनी किसी भी गतिविधि में एआईयू के नाम या लोगो का उपयोग करने के लिए अधिकृत नहीं किया गया है और एआईयू के लोगो को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से तुरंत हटा दिया जाना चाहिए।" विश्वविद्यालय संघ के अलावा अल-फलाह यूनिवर्सिटी के ऊपर सरकार की तरफ से भी जांच की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, धमाके से जुड़े संदिग्ध लोगों से यूनिवर्सिटी का संबंध सामने आए के बाद केंद्र सरकार ने यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड की जांच करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके अलावा ईडी ने यूनिवर्सिटी को आने वाले फंड की जांच करनी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के धौज में स्थित एक प्राइवेट संस्थान है। इसमें इंजीनियरिंग के अलावा कुछ मेडीकल की सीटें भी उपलब्ध है और यूनिवर्सिटी का अपना एक हॉस्पिटल भी है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली में लाल किला के पास धमाके वाली कार चला रहा डॉक्टर उमर नबी, इसी यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में काम कर रहा था।

आगामी चुनावों में ओवैसी को मिल जायेंगे राजनीति के साथी

-बिहार में जीतीं 5 विधानसभा सीटों का फायदा एआईएमआईएम को भविष्य में मिल सकता है
-राजस्थान में नरेश मीणा, सांसद हनुमान बेनीवाल और पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा से समझौता हो सकता है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा में भाजपा की आंधी के बावजूद 5 विधानसमा सीटों पर जीत दर्ज की है। ओवैसी बिहार विधानसभा चुनावों के बाद देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। देश के छोटे-छोटे राजनितिक दल जो एनडीए गठबंधन और इण्डिया गठबंधन में शामिल नहीं हैं, साथ मिलकर तीसरा मोर्चा बना सकते हैं। राजस्थान में सांसद हनुमान बेनीवाल अंता से विधानसभा चुनाव लड़े नरेश मीना, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा और आदिवासी पार्टियां ओवेसी के राजनितिक साथी हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश में आजाद समाज पार्टी जिसके प्रमुख चन्द्रशेखर आज़ाद और अपना जनता पार्टी जिसके प्रमुख हैं स्वामी प्रसाद मौर्य। इस तरह अन्य राज्यों में छोटे दलों का साथ मिल सकता है। क्योंकि छोटे-छोटे दल धार्मिक आधार पर अपनी रणनीति तैयार नहीं करते हैं जबकि भाजपा और कोंग्रेस चुनावों में धार्मिक मुद्दों का ध्यान रखती है। ओवैसी को मुस्लिम में काफी पसंद किया जाता है। ओवैसी ने मुसलमानों में जितनी राजनितिक जागरूकता पैदा की है उतनी किसी दूसरे मुस्लिम नेता ने नहीं की है। इसलिए संभावना है कि देश आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में ओवैसी का महत्वपूर्ण योगदान रह सकता है।

बलिया में मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों पर कार्यवाही

-17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में मस्जिदों में तेज आवाज में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर 17 लोगों के ऊपर मुकदमा दर्ज किया है। एसपी के मुताबिक ये कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट और यूपी सरकार के निर्देशों के उल्लंघन के तहत किया गया है।

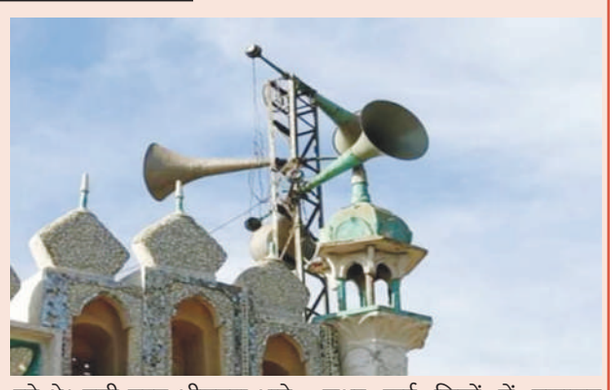

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पुलिस ने मस्जिदों में तेज आवाज में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर सोमवार को कुल 17 मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि ये कार्रवाई कार्यवाही उच्चतम न्यायालय और प्रदेश सरकार के निर्देशों के उल्लंघन के मामलों में की गई है।

एसपी ने बताया कि सभी मामलों में मस्जिदों के संरक्षकों और मौलवियों को नामजद किया गया है। संबंधित लोगों को न्यायालय व शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की हिदायत भी दी गई है। जानकारी के अनुसार, बांसडीह रोड थाने में उपनिरीक्षक महेंद्र रावत की तहरीर पर गोठहुली मस्जिद के मौलवी मोहम्मद शाहजहां के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जहां दो बड़े लाउडस्पीकर तेज आवाज में उपयोग किए जा रहे थे। इसी तरह भीमपुरा थाने में उपनिरीक्षक दुर्गेश गौड़ की तहरीर पर शोधनपुर मस्जिद के संरक्षक मोहम्मद सलीम अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में आरोप है कि मस्जिद पर तीन लाउडस्पीकर लगाए गए थे और स्थानीय लोगों के मना करने के बावजूद तेज आवाज में अजान और नमाज अदा की जा रही थी। बलिया शहर कोतवाली में भी जमुआ मस्जिद के संरक्षक हैदर अली और उमरगंज मस्जिद के संरक्षक गुलाम अरशद के खिलाफ अलग-अलग मुकदमे दर्ज हुए हैं। इसके अलावा नगरा, पकड़ी और रेवती थानों में भी मस्जिदों के मौलवियों और संरक्षकों पर कार्रवाई की गई है।

प्रदेश के कई जिलों में चला अभियान-

उधर कई जिलों में प्रशासन ने अभियान चलाते हुए मानक से विपरित वाले लाउडस्पीकर उतरवाए। बस्ती, प्रयागराज, मेरठ और झांसी समेत कई अन्य जिलों की पुलिस ने धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग किया। इस दौरान मानक से अधिक ध्वनि वाले लाउडस्पीकरों के विरुद्ध उचित एक्शन लिया गया।

वहीं, जमीयत उलमा शहर के पूर्व अध्यक्ष जैनुर राशिद्दीन सिद्दीकी ने मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारों के प्रबंधकों से अपील की कि धर्मस्थलों पर लाउडस्पीकर के प्रयोग में नियम-कानूनों का पालन सुनिश्चित करें। लाउडस्पीकर की आवाज मानक के अनुरूप हो। नियम-कानून के उल्लंघन पर ध्वनि प्रदूषण पर पुलिस-प्रशासन कार्यवाही कर सकता है।

दिल्ली विस्फोट के बाद भारत के साथ खड़े हुए मुस्लिम देश, आतंकवाद के खिलाफ उठाई आवाज

अबूधाबी/रियाद/तेहरान। नई दिल्ली में लाल किले के पास हुए भीषण विस्फोट के बाद मुस्लिम देशों ने भारत के साथ एकजुटता जताई है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि वह हिंसा और आतंकवाद की सभी गतिविधियों को अस्वीकार करता है। सऊदी अरब ने भी विस्फोट में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भारत को अपना समर्थन दिया है। इसके साथ ही कतर, मालदीव और दोस्त ईरान ने भी हमले की निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की है।

यूएई ने आतंकवादी हमले की निंदा की-

यूएई के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि वह इन आपराधिक कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और सुरक्षा एवं स्थिरता को कमजोर करने के उद्देश्य से की जाने वाली सभी प्रकार की हिंसा और आतंकवाद को स्थायी रूप से अस्वीकार करता है। मंत्रालय ने पीड़ितों के परिवारों, भारत सरकार और जनता के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने

की कामना की। नई दिल्ली स्थित सऊदी अरब के दूतावास ने एक बयान में कहा कि किंगडम दोस्त भारत के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता है। इसमें कहा गया है कि दूतावास पीड़ितों के परिवारों, भारत गणराज्य की सरकार और जनता के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। इसमें घायलों के जल्दी ठीक होने और भारत व उसके दोस्त जैसे लोगों की सुरक्षा की कामना की गई है।

भारत के साथ खड़ा हुआ ईरान-

ईरान ने भी दिल्ली में हुए विस्फोट पर भारत को समर्थन दिया है। नई दिल्ली में मौजूद ईरानी दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस्लामी गणराज्य कार विस्फोट की घटना में कई भारतीय नागरिकों की मौत और घायल होने पर गहरा दुख व्यक्त करता है। दूतावास पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और उनके धैर्य और सांत्वना की कामना करता है, साथ ही इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है। दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले पर मालदीव ने भी संवेदना प्रकट की है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक्स पर लिखा, दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट में हुई दुखद मौत से अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं और घायलों की जल्द स्वस्थ होने की कामाना। मालदीव इस कठिन समय में भारत की जनता और सरकार के साथ एकजुटता से खड़ा है।

मुस्लिम विधायकों की संख्या घटकर 11 पर पहुंची

-बिहार प्रदेश में 18 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा जेडीयू की आंधी में विपक्षी पार्टियाँ सूखे पत्ते की तरह उड़ती नज़र आयीं। भाजपा ने सबसे ज्यादा 89 और जेडीयू ने 85 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की। इण्डिया महागठबंधन को मात्र 34 सीटों पर ही जीत मिल सकी। विपक्ष और इण्डिया गठबंधन की हार का असर मुस्लिम विधायकों की संख्या पर भी पड़ा। बिहार विधानसभा चुनाव में मात्र 11मुस्लिम विधायक जीतकर आए हैं। जिनमें 5 विधायक एआईएमआईएम, 2 कांग्रेस और राजद से जीतकर आए हैं। सबसे ज्यादा मुस्लिम विधायक एआईएमआईएम से जीतकर आए हैं। एआईएमआईएम ने बिहार में 28 विधानसमा सीटों पर चुनाव लड़ा था। एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को जिताने में पार्टी प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आक्रामक चुनाव प्रचार किया। ओवैसी ने मुसलमानों के लिए भाजपा की तरह राजद और कांग्रेस को भी नुकसानदायक बताया था। ओवैसी ने महागठबंधन के साथ चुनावी समझौता करने की पूरी कोशिश की थी लेकिन कांग्रेस और राजद ने ओवैसी के साथ गठबंधन करने से साफ इंकार कर दिया था। एआईएमआईएम 28 सीटों पर चुनाव लड़ी, इनमें से 20 सीटों पर एनडीए चुनाव जीत गयी। यदि महागठबंधन और एआईएमआईएम के साथ समझौता होता तो पूरी 28 सीट महागठबंधन आसानी से जीत सकती थी।

प्रशांत किशोर की बिहार में रणनीति हुई फैल

-प्रशांत किशोर को चुनावी रणनीतिकार माना जाता है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रशांत किशोर को अब तक चुनावी रणनीतिकार माना जाता था। प्रशांत किशोर का दावा था कि उन्होंने पूर्व में मोदी को प्रधानमंत्री बनवाया, नीतिश और ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बनवाया। प्रशांत किशोर ने पहली बार एक नई पार्टी जनस्वराज बनाकर बिहार चुनाव में अपना भाग्य आजमाया। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सबसे ज्यादा पत्रकारों को इंटरव्यू देने वाले प्रशांत किशोर सबसे ज्यादा चर्चित चेहरे बन गए थे। लेकिन विधानसभा चुनाव रिजल्ट आने के बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर कहीं भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी

की एक भी सीट बिहार विधानसभा चुनाव में नहीं आयी है। प्रशांत किशोर का दावा था कि बिहार में बदलाव निश्चित रूप से होगा और जेडीयू की 25 से ज्यादा सीट नहीं आएँगी। यदि जेडीयू की 25 से ज़्यादा सीटें आएंगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। अब प्रशांत किशोर का किसी को अता-पता नहीं है कि वे कहाँ पर हैं और अन्होंने राजनीति छोड़ी है या आगे की कोई नई रणनीति बना रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

बांग्लादेश में पाकिस्तान का बढ़ता दखल !

भारत का कभी घनिष्ठ मित्र और भारत के सहयोग से आजाद देश बना बांग्लादेश अब पाकिस्तान की गिरफ्त में आता दिखाई दे रहा है। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री की कूटनीति एवं सैन्य मदद से बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करवाया गया था। पाकिस्तान के दो टूकड़े कर देना भारत के लिए एक बड़ी कुटनीतिक विजय थी। क्योंकि 1971 तक पाकिस्तान भारत से तीन युद्ध कर चुका था और भारत के लिए एक बड़ी परेशानी खड़ा करता रहता था। बांग्लादेश अलग होने के बाद एक लम्बे समय तक पाकिस्तान भारत से टकराने की हिम्मत नही कर पाया था। लेकिन कुछ वर्षों से पाकिस्तान की साजिशे भारत के खिलाफ फिर से चरम पर पहुंचती नजर आ रही है। इसका क्या कारणा है हो सकता है, समझने की जरूरत है। पहला भारत की विदेश नीति और आंतरिक नीति। जब से देश में भाजपा की सरकार बनी है भारत की विदेश नीति में स्पष्ट बदलाव आया है। भारत के विश्व के मुस्लिम देशों से इतने अच्छे सबंध नही रहे जितने कांग्रेस या पूर्ववर्ती सरकारों के समय में रहे थे। मोदी सरकार ने विचारधारा के चलते एक छोटे देश और मुस्लिम विरोधी देश इजराईल से घनिष्ठ संबंध बनाएं। दूसरी तरफ पड़ोसी मुस्लिम देश और दूसरे देशों से भी नजदीकिया कम होती दिखाई थी। बांग्लादेश और श्रीलंका में तख्तापलट और सरकारे बदलने के बाद यह देश चीन के नजदीक ज्यादा नजर आने लगे है। जबकि भारत के पड़ौसियों के साथ अच्छे रिश्ते रहना ज्यादा जरूरी है। बांग्लादेश से रिश्ते तो पूरी तरह बदले-बदले नजर आ रहे है। बांग्लादेश भारत दुश्मन देश पाकिस्तान की गोद में बैठने की शुरुआत कर चुका है। बांग्लादेश पाकिस्तान से सैन्य सामान और विमान भी खरीदने लगा है। बांग्लादेश में भारत विरोधियों का बोलबाला बढ़ रहा है। जो भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं है। अभी बांग्लादेश में पाकिस्तान के मौलानाओं का धार्मिक आयोजन हुआ जिसमे पाकिस्तान के सैकड़ो मौलानाओं ने भाग लिया और पाकिस्तान-बांग्लादेश की एकता का राग अलापा गया। बांग्लादेश में पाकिस्तानी मौलानाओं का यह सम्मेलन एक लम्बे अर्से के बाद हुआ है। बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बांग्लादेश को भारत से दूर ले जाना चाहते है और पाकिस्तान एवं चीन से नजदीकी बढ़ा रहे है। वैसे तो भारत एक शक्तिशाली देश है और मजबूत हाथों में भारत की बागडौर है। फिर भी बांग्लादेश को पाकिस्तान और चीन की गोदी में जाने से रोकूना चाहिए। क्योंकि पाकिस्तान साजिश करने वाला देश है। बांग्लादेश से मिलकर वह बड़ी साजिश करके भारत को नुकसान पहुंचा सकता है।

जवाहर लाल नेहरू, देश के प्रथम प्रधानमंत्री, जिन्हें नन्हे बच्चों और गुलाब से बेहद प्यार था

14 नवंबर जन्म दिवस पर विशेष.....

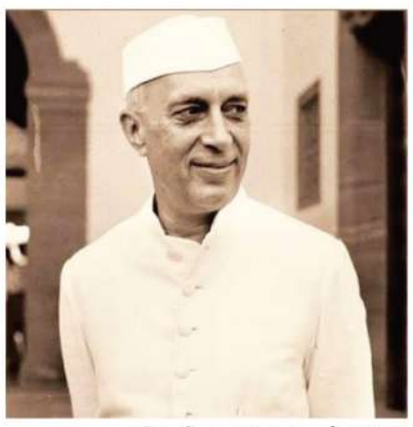

पंडित जवाहर लाल नेहरू का जीवन भारतीय राजनीति, स्वतंत्रता आंदोलन और आधुनिक भारत के निर्माण का प्रेरणादायक संगम है। वे एक दूरदर्शी नेता, नि:स्वार्थ क्रांतिकारी, लेखक, और बच्चों के चहेते 'चाचा नेहरू' के रूप में विश्व विख्यात हुए। उनका जीवन संघर्ष, विचार और सेवा के लिए अमर प्रतीक बन गया है। प्रारंभिक जीवन और परिवार पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर1889 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज), उत्तर प्रदेश में एक समृद्ध कश्मीरी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू विख्यात वकील, राजनयिक और स्वतंत्रता सेनानी थे तथा माता स्वरूपरानी एक शिक्षित और प्रबुद्ध महिला थीं। नेहरूजी के परिवार का भारतीय समाज एवं राजनीति में विशिष्ट स्थान था, जिसने उनके प्रारंभिक दृष्टिकोण, मूल्य और सक्रियता को दिशा दी। जवाहर लाल नेहरू की प्रारंभिक शिक्षा घर पर निजी शिक्षकों द्वारा हुई। उच्च शिक्षा के लिए उन्हें हैरो और ईटन जैसे इंग्लैंड के प्रतिष्ठित स्कूल भेजा गया। उसके बाद वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक हुए और फिर इंग्लैंड में 'इनर टेम्पल' से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1912 में वकालत शुरू करने के साथ साथ वे भारतीय राजनीति में सक्रिय हो गए। नेहरूजी का बौद्धिक दृष्टिकोण पश्चिमी शिक्षा और विज्ञान, भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक संघर्ष से बना। उनकी सोच में तर्क, विश्लेषण और मानवता के लिए विशेष स्थान था, जिसे आगे चलकर उनकी नीतियों में देखा गया।

पंडित जवाहर लाल नेहरू हमेशा स्वतंत्रता, न्याय, और सामाजिक समता के पक्षधर रहे। 1916 में वे पहली बार महात्मा गांधी से मिले और उनसे अत्यधिक प्रभावित हुए। इसके बाद नेहरू पूरी तल्लीनता से स्वतंत्रता संग्राम में जुड़ गए। 1919 में वे इलाहाबाद के होम रूल लीग के सचिव बने। उन्होंने असहयोग आंदोलन, स्वराज आंदोलन, किसानों के मार्च, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन जैसे कई आंदोलनों का नेतृत्व किया। वे सिपाही, सुझावकर्ता और वक्ता के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अहम स्तंभ बने। आंदोलन में भाग लेने के चलते उन्हें लगभग नौ बार जेल जाना पड़ा, परंतु उन्होंने कभी हार नहीं मानी। 1928 में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान वे घायल हुए और 1930 के नमक आंदोलन में गिरफ्तार होकर छह माह जेल में रहे। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में पुनः जेल गए और अहमदनगर जेल में रहे।

1947 में भारत के स्वतंत्र होने के बाद नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने। उन्होंने 1947 से 1964 तक प्रधानमंत्री पद संभाला। उनके नेतृत्व में भारत ने लोकतंत्र की मजबूत नींव, औद्योगीकरण, पंचवर्षीय योजनाओं, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, पंचशील और गुट निरपेक्षता जैसी वैश्विक नीतियों को अपनाया। उन्होंने नए भारत के निर्माण के लिए हरित क्रांति, भाखड़ा नांगल बांध, आईआईटी, एम्स, अनुसंधान संस्थानों, तथा वैज्ञानिक सोच को राष्ट्रीय नीति का आधार बनाया। देशी रियासतों का एकीकरण, महिला सशक्तिकरण, बच्चा नीति और सामाजिक समता के लिए उन्होंने बहुपक्षीय प्रयास किए।

नेहरूजी आदर्शवादी समाजवादी विचारधारा के पक्षधर थे। वे मानवता, धर्म-निरपेक्षता, जनकल्याण, और विश्व शांति के समर्थक थे। विदेश नीति में गुट-निरपेक्ष आंदोलन के सूत्रपात के कारण उन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाई। जेल प्रवास के दौरान उन्होंने प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं, जिसमें 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया', 'ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' और 'टूवर्ड फ्रीडम' उल्लेखनीय हैं। उनका साहित्यिक योगदान भारतीय इतिहास, राजनीति और संस्कृति को समझने का सशक्त माध्यम है।

नेहरूजी को बच्चों से अत्यधिक प्रेम था। उनका मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके जन्म दिवस 14 नवंबर को पूरे देश में 'बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 27 मई 1964 को जवाहर लाल नेहरू का निधन हुआ। उनकी मृत्यु पर समस्त देश और विश्व समुदाय ने अपूरणीय क्षति अनुभव की। नेहरू की विरासत भारत की राजनीति, समाज, शिक्षा, और लोकतांत्रिक मूल्यों में आज भी जीवित है। उन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहाँ सांप्रदायिकता, जातिवाद और अशिक्षा के स्थान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समानता और शांति का वास हो। पंडित जवाहरलाल नेहरू की जीवनी देश के नव निर्माण का जीवंत दस्तावेज है। उनका जीवन त्याग, सेवा, संघर्ष और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय समाज को सोचने, आगे बढ़ने और वैश्विक दिशा देने की प्रेरणा दी। उनकी वैचारिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी। उनकी दूरदर्शिता, कूटनीति, और बच्चों के प्रति प्रेम के कारण वे हमेशा 'चाचा नेहरू' के रूप में शाश्वत स्मृति-पटल पर अंकित रहेंगे।

मोहम्मद नासिर हुसैन खान

फिल्म निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक

16 नवंबर 1926 - 13 मार्च 2002

जिन्हें नासिर हुसैन के नाम से बेहतर जाना जाता है, एक भारतीय फिल्म निर्माता, फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक थे। दशकों के करियर के साथ हुसैन को हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक प्रमुख ट्रेंडसेटर के रूप में श्रेय दिया गया है । उदाहरण के लिए उन्होंने यादों की बारात (1973) का निर्देशन किया, जिसने हिंदी भाषा की मसाला फिल्म शैली बनाई जिसने 1970 और 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा को परिभाषित किया और उन्होंने कयामत से कयामत तक (1988) लिखी और निर्मित की । जिसने हिंदी भाषा का संगीतमय रोमांस खाका तैयार किया जिसने 1990 के दशक में हिंदी सिनेमा को परिभाषित किया। हुसैन का जन्म भोपाल राज्य में 16 नवंबर 1926 को जाफर हुसैन खान के घर हुआ था, जो एक स्कूल शिक्षक थे और पश्तून वंश के एक ज़मींदार परिवार से थे और आमना, जिनकी अरब जड़ें जेद्दा (आधुनिक सऊदी अरब) में थीं और मौलाना आज़ाद की भतीजी थीं और वह पाँच बच्चों में से चौथे थे । सबसे छोटे ताहिर हुसैन थे, जो आमिर खान के पिता थे । उन्होंने आयशा खान से शादी की, जो उनसे पहले ही चल बसीं। उनके बेटे मंसूर खान एक पूर्व फिल्म निर्देशक और निर्माता हैं, जिनकी बेटी अभिनेत्री ज़ैन मैरी खान हैं । यह दंपति पूर्व फिल्म अभिनेता इमरान खान के नाना-नानी हैं । हुसैन ने पहली बार क़मर जलालाबादी के साथ काम किया । जब वे 1948 में फ़िल्मिस्तान में एक लेखक के रूप में शामिल हुए। फ़िल्मिस्तान के लिए उनकी लिखी प्रसिद्ध फ़िल्मों में अनारकली (1953), मुनीमजी (1955) और पेइंग गेस्ट (1957) शामिल हैं। फ़िल्मिस्तान, बॉम्बे टॉकीज़ से अलग हुआ एक स्टूडियो था; इसने मध्यम बजट के फ़ॉर्मूला प्रोडक्शन का इस्तेमाल किया और स्टार वैल्यू और संगीत के दम पर फ़िल्में बेचीं। शशधर मुखर्जी इस अलग हुए स्टूडियो का हिस्सा थे और उन्होंने हुसैन को "तुमसा नहीं देखा" निर्देशित करने का काम दिया। इस फ़िल्म ने शम्मी कपूर को स्टार बना दिया । कपूर और हुसैन ने फिल्मिस्तान से अलग हुए समूह फिल्मालय के लिए एक और हिट फिल्म दिल देके देखो (1959) बनाई। इस फिल्म से आशा पारेख की शुरुआत हुई, जो कारवां (1971) तक हुसैन की सभी फिल्मों में मुख्य भूमिका में रहीं । वह उनके साथ लंबे समय तक रोमांटिक रिश्ते में भी रहे । लेकिन यह रिश्ता खत्म हो गया, क्योंकि वह पहले से ही एक शादीशुदा आदमी थे और उनके दो बच्चे थे, और पारेख नहीं चाहती थी कि उन पर घर तोड़ने वाला होने का ठप्पा लगे। हुसैन की पत्नी मार्गरेट फ्रांसिना लुईस थीं, जो एक सहायक कोरियोग्राफर थीं, जिनसे उनकी मुलाकात फिल्मिस्तान में हुई थी। उन्होंने शादी की और फिर अपना नाम बदलकर आयशा खान रख लिया। उन्होंने उनके कुछ प्रोडक्शन में सहायक कोरियोग्राफर के रूप में काम किया। इसके बाद हुसैन ने नासिर हुसैन फिल्म्स की स्थापना की और निर्माता-निर्देशक बन गए। उन्होंने जब प्यार किसी से होता है (1961), फिर वही दिल लाया हूं (1963), तीसरी मंजिल (1966), बहारों के सपने (1967), प्यार का मौसम (1969), कारवां (1971), यादों की बारात (1973) और हम किसी से कम नहीं (1977) जैसी म्यूजिकल हिट फिल्में दीं।

हुसैन, मजरूह सुल्तानपुरी और आर.डी. बर्मन ने तीसरी मंजिल , बहारों के सपने , प्यार का मौसम , कारवां , यादों की बारात और हम किसी से कम नहीं में सहयोग किया । हुसैन ने संगीतमय हिट फिल्म तीसरी मंजिल लिखी और उसका निर्माण किया । विजय आनंद ने इस फिल्म का निर्देशन किया, जिसमें हुसैन के नियमित कलाकार शम्मी कपूर और आशा पारेख ने अभिनय किया था। मूल रूप से देव आनंद को फिल्म के लिए साइन किया गया था, लेकिन हुसैन के साथ मतभेदों के कारण उन्होंने इसे छोड़ दिया और कपूर को कास्ट किया गया। उन्होंने पहली बार आर. डी. बर्मन को गाने ("ओ हसीना जुल्फोंवाली", "ओ मेरे सोना रे", "दीवाना मुझसा नहीं", "तुमने मुझे देखा", "आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा") की रचना के लिए भी काम पर रखा। गानों के सदा बहार हिट होने के बाद बर्मन ने अगले 19 वर्षों तक हुसैन की सभी फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया, जिसका अंत ज़बरदस्त (1985) के साथ हुआ। हुसैन की "यादों की बारात" सलीम-जावेद द्वारा लिखी गई थी, जिन्होंने उसी साल "ज़ंजीर" भी लिखी थी । दोनों ही फ़िल्मों में नायक अपने पिता की मौत का बदला लेने की चाहत रखता है, और दोनों में अजीत खलनायक की भूमिका में हैं। "यादों की बारात" को पहली मसाला फ़िल्म माना जाता है । जैसे ही जमाने को दिखाना है (1981), मंजिल मंजिल (1984) और ज़बरदस्त (1985) फ्लॉप हो गईं, हुसैन के बेटे मंसूर ने नासिर हुसैन फिल्म्स की कमान संभाली, हालांकि हुसैन ने कयामत से कयामत तक (1988) और जो जीता वही सिकंदर (1992) जैसी फिल्मों के लिए स्क्रिप्ट और संवाद लिखना जारी रखा। कयामत से कयामत तक में उन्होंने अपने भतीजे आमिर खान को हीरो के तौर पर पेश किया। कयामत से कयामत तक हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक मील का पत्थर थी, जिसने हिंदी भाषा की संगीतमय रोमांस फिल्मों के लिए खाका तैयार किया, जिसने 1990 के दशक में हिंदी सिनेमा को परिभाषित किया। हुसैन को हिंदी सिनेमा में उनके योगदान के लिए 1996 में विशेष फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। हुसैन का 13 मार्च 2002 को दिल का दौरा पड़ने से मुंबई में निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद आशा पारेख ने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने उन्हें अपने जीवन के अंतिम वर्ष में नहीं देखा था, क्योंकि वह अपनी पत्नी की मृत्यु के कारण एकांतप्रिय हो गए थे।

वालिदेन की ख़िदमत:

जन्नत का दरवाज़ा

इस्लाम में वालिदैन को बहुत ऊँचा मक़ाम दिया गया है। अल्लाह तआला ने क़ुरान-ए-पाक में कई जगहों पर अपनी इबादत के फ़ौरन बाद वालिदैन के साथ हुस्न-ए-सुलूक (अच्छा व्यवहार) करने का हुक्म दिया है। अल्लाह फ़रमाता है, "और तुम्हारे रब ने हुक्म दिया है कि उसके सिवा किसी की इबादत न करो और अपने माँ-बाप के साथ अच्छा सुलूक करो।" (सूरह अल-इस्रा: 23)

जब वालिदैन बुढ़ापे की दहलीज़ पर क़दम रखते हैं, तो वे जिस्मानी और जज़्बाती तौर पर कमज़ोर हो जाते हैं। ऐसे में उनकी देखभाल और ख़िदमत की ज़िम्मेदारी औलाद पर और भी बढ़ जाती है। क़ुरान उन्हें "उफ़" तक कहने से मना करता है, जो नापसंदगी की सबसे छोटी अलामत है। उनके सामने आजिज़ी और नरमी से पेश आने और उनके लिए अल्लाह से रहमत की दुआ करने का हुक्म दिया गया है।

नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने माँ के क़दमों तले जन्नत और बाप को जन्नत का दरवाज़ा क़रार दिया है। इसका मतलब यह है कि उनकी रज़ामंदी और ख़िदमत करके ही औलाद अल्लाह की रज़ा और जन्नत हासिल कर सकती है। उनकी ज़रूरतों को पूरा करना, उनकी बातों को सब्र से सुनना और उनके साथ वक़्त गुज़ारना सिर्फ़ एक ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि एक इबादत है। जो लोग अपने बूढ़े वालिदैन की ख़िदमत से ग़ाफ़िल हो जाते हैं, वे दुनिया और आख़िरत में बड़े ख़सारे (घाटे) में रहते हैं।

गुलाबी शहर: दिल की धड़कन

-पलक गुप्ता

"एक शहर"

किलों का वैभव, बाजारों की रंगत, दीपों की उजास लिए—
मसालों की महक, रेशमी अदाओं की धीमी-सी साँस लिए।
राजसी ठाठभी जहाँ ऊँट की चाल में झूमता है,
मिट्टी की खुशबू में एक मीठा सा संस्कार घूमता है।
गुलाबी रंगों की बाहों में सिमटा ये जयपुर,
जहाँ हर मोड़ पर कोई अनकहा सा है दस्तूर।

"परंपरा की गुलाबी दास्तान"

शाम-ऐ-गुलाबी के है दृश्य कमाल,
जो है राजसी विरासत की अनकही पहचान।
पुराने बाज़ारों की खनकती चूड़ियों की झंकार,
अंबर की पहाड़ियों से उड़ती स्मृतियों की रंगीन फुहार।
हवा महल की झिर्रियों में बीते वक्त की महक घुली है,
मानो इतिहास की कोई सरगोशी अभी भी चली है।

"नवयुग की गुलाबी नगरी"

2025 का नया जयपुर—
चमकता है अपने ही एक नए अंदाज़ में,
मेट्रो की रफ़्तार और स्मार्ट सड़कों के साज़ में।
नए कैफ़े, स्टार्टअप्स, आईटी की उड़ान,
गुलाबी शहर की धड़कनों में बसते सपनों की यही हैनई पहचान।

अल्लाह तआला का वजूद (होना)

अल्लाह तआला के वजूद यानि वोह है कि नहीं इसके बारे में तीन तरह के लोग अपनी-अपनी राय अलग-अलग रखते हैं और उस राय को अपनी जिंदगी का एक अहम जुज़ व हासिल समझते हैं और अपने इस अक़ीदे को सही मानते हैं और दूसरे फरीकों अकीदों से इख्तेलाफ़ करते और उनको गलत ठहराते हैं।

1. पहला तबक़ा जिसकी तादाद दुनिया में सबसे ज्यादा है वोह अल्लाह तआला के वजूद और वहदानियत यानि यकता (अकेला) होने का कायल है । वोह मानता है कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, सिर्फ वोही इबादत के लायक है । वह सिर्फ उसी की इबादत करते हैं और उसी को इस तमाम कायनात का खालिक यानि पैदा करने वाला मानते हैं । इसी पर उनका ईमान है, ऐसे लोगों को अहले ईमान और मोमिन कहा जाता है

2. दूसरा तबका वो है जो जातेबारीतआला में दूसरे को शरीक करते हैं और कई खुदा मानते हैं और अलग मौकों पर अलग-अलग खुदाओं की पूजा व परस्तितिश करते हैं। इन्हें मुशरिक कहते हैं।

3. तीसरा तबका वोह है जो सिरे से ही अल्लाह तआला के होने का इनकार करते हैं। उनका मानना है कि इस कायनात को चलाने वाला कोई नहीं है, यह कायनात अपने आप बनी है । उनका मानना है कि अल्लाह है ही नहीं, जिन्हें हम काफ़िर या मुर्तद कहते हैं।

इमाम राज़ी रह. अ. ने "सूरत बकरा" जोकि कुरआन मजीद की सबसे बड़ी सूरत है उसकी एक आयत को लेकर अल्लाह की वहदानियत (एक होने) की दलील दी है । जिसका तर्जुमा है कि "जमीन और आसमान की अलग-अलग शक्लो सूरत, अलग-अलग रंग, अलग-अलग मिजाज और अलग-अलग नफा पहुंचाने वाली कुल चीज़ें और उनके अलग-अलग नफा या नुकसान पहुंचाना और खास हिकमत से होना इस बात का सबूत है कि इनके खालिक का वजूद और उसकी अजीमुशान कुदरत और हिकमत और जबरदस्त रौब व दबदबा" उसकी कुदरत का मिला और उसके वजूद को जाहिर करती है। तफसीर इबने कसीर में है कि एक बार किसी नदवी यानि खानाबदोश शख्स को निरा जाहिल था, उससे पूछा गया कि अल्लाह तआला के होने पर क्या दलील है तो उसने अरबी में जवाब दिया कि जिसका मतलब यह है कि मेंगनी से ऊंट मालूम हो सके और पांव के निशान को देखकर मालूम हो जाए कि कोई आदमी गया है तो क्या यह बुर्जों वाला आसमान, यह रास्तों वाली जमीन और मोजे व लहर वाले समन्दर अल्लाह तआला के बारीकी भी और हर चीज पर उसका इख्तियार और खबरदार होने पर दलील नहीं हो सकते।

हजरत इमाम मालिक रह. अलेह. से हारून रशीद बादशाह ने पूछा कि अल्लाह तआला के वजूद यानि उसकी होने की क्या दलील है ? इमाम मालिक रह.अलेह. ने फरमाया कि ज़बानों का जुदा-जुदा होना, आवाजों का अलग-अलग होना जैसा कि एक इंसान की आवाज दूसरे से नहीं मिलती है और इंसानों की शक्लों का उनके रंग का अलग-अलग होना और नगमों का अलग-अलग होना साबित करता है कि खुदा तआला का वजूद है।

हजरत इमाम अबू हनीफा रह. अलैह. से जब अल्लाह तआला के वजूद के बारे में सवाल किया गया तो आप जवाब देते हैं कि "छोड़ो मैं अभी किसी और सोच में हूं । लोगों ने मुझसे कहा कि एक बहुत बड़ी किश्ती है, जिसमें तरह-तरह की तिजारती बेश कीमती चीज़ें हैं, ना कोई उसका निगहबान है, ना चलाने वाला है बावजूद उसके वो किश्ती बराबर आ जा रही है और बड़ी-बड़ी मोजों को खुद चीरती फाड़ती गुजर जाती है, ठहरने की जगह ठहर जाती है, चलने की जगह चलती रहती है और ना कोई मल्लाह है और ना कोई मुन्तजिम" सवाल करने वाले देहरियों (काफिरों) ने कहा कि आप किस सोच में पड़ गए क्या कोई अकल वाला ऐसी बात कह सकता है कि इतनी बड़ी किश्ती निजाम के साथ तलातुम (तूफान) वाले समन्दर में खुद बखुद आए जाए और उसको चलाने वाला मल्लाह भी नहीं ? आपने फ़रमाया कि तुम्हारी अक्लों पर अफसोस है । तुम्हारी अकल में यह तो आ गया कि एक किश्ती बगैर चलने वाले के ना चल सके, मगर यह समझ में ना आया कि यह सारी दुनिया, आसमान और जमीन की सब चीज़ें ठीक-ठीक अपने-अपने काम पर लगी हुई हैं और इनको चलने वाला और इनका मालिक, हाकिम और पैदा करने वाला यानि खालिक कोई ना हो ? यह जवाब सुनकर वोह लोग हक्के-बक्के हो गए और हक़ बात मालूम होने के बाद ईमान में दाखिल हो गए यानि मुसलमान हो गए।

हजरत इमाम शाफयी रह. अ. से जब अल्लाह के वजूद पर सवाल किया गया तो आपने जवाब दिया कि "तूत के पत्ते एक जैसे ही हैं, एक ही ज़ायके के हैं। कीड़े और शहद की मक्खी और गायें और बकरियां, हिरण वगैरह सब इसको खाते और चरने लगते हैं, इसको खाकर कीड़े में से रेशम निकलता है, मक्खी शहद देती है, हिरण में मुश्क पैदा होता है और गाय बकरियां दूध और मेंगनियाँ देती हैं । क्या यह इस अम्र की साफ दलील नहीं कि एक पत्ते में यह अलग-अलग खासियत और चीज़ें पैदा करने वाला कोई है और उसी पैदा करने वाले को हम अल्लाह मानते हैं । वही पैदा करने वाला और तमाम कायनात का साने यानि बनाने वाला है।"

हजरत इमाम बिन हम्बल रह. अ. से जब अल्लाह के वजूद पर दलील तलब की गई तो आपने फ़रमाया "सुनो यहां एक मजबूत किला है, जिसमें कोई दरवाजा नहीं, ना कोई रास्ता है बल्कि सुराख तक नहीं, बाहर से चांदी की तरह चमक रहा है और अंदर से सोने की तरह दमक रहा है और ऊपर नीचे दाएं बाएं चारों तरफ से बिल्कुल बंद है हवा तक उसमें नहीं जा सकती । अचानक उसकी एक दीवार गिरती है और एक जानदार आंखों वाला, कानों वाला, बोलता चलता, खूबसूरत शक्ल और प्यारी बोली वाला चलता फिरता निकल आता है । कहो इस बंद और महफूज किले में इसे पैदा करने वाला कोई है या नहीं और वोह हस्ती इंसानी हस्तियों से बुलंद व बालातर है और उसकी कुदरत गैर महदूद है या नहीं" मतलब आपका यह था कि अंडे को देखी देखा जो चारों तरफ से बंद है फिर उसमें खालिके कायनात यानि अल्लाह जो यकता यानी तन्हा व अकेला है जानदार व शानदार बच्चा पैदा कर देता है यह दलील है खुदा के वजूद पर और उसकी तौहीद पर।

बुजुर्गों का मकुला है कि आसमानों को देखो, उनकी बुलंदी (ऊंचाई), उनकी बसअत (चौड़ाई) उनके छोटे-बड़े चमकीले और रोशन सितारों पर नजर डालो, उनके चमकने-दमकने, उनके चलने-फिरने और ठहर जाने, जाहिर होने और छुप जाने का मुताला करो। फिर समन्दर को देखो जो मोजें मारते हुए जमीन को घेरे हुए हैं, फिर ऊंचे-ऊंचे और नीचे मजबूत पहाड़ों को देखो जो जमीन में गड़े हुए हैं और जमीन को हिलने नहीं देते । उनके रंग, जिनकी सूरतें मुख्तलिफ हैं फिर किस्म-किस्म की और मखलूकात पर नजर डालो फिर इधर से उधर फिर जाने वाली खेतों और बागों का शादाब करने वाली खुशनुमा नहरों को देखो और बागों की सब्जियों और उनके तरह-तरह के फलों, फूलों और मजे-मजे के मेवों पर गौर करो। जमीन एक, पानी एक लेकिन शक्लें सूरतें और खुशबूएं, रंगत, ज़ायका और फायदा अलग-अलग। क्या यह तमाम मसनूआत तुम्हें नहीं बतातीं कि इनका साने यानि बनाने वाला कोई है ? क्या यह तमाम मौजूदात ब आवाज़े बुलंद तुम्हें कह रही हैं कि इनका मुजीद यानि बनाने वाला, ईजाद करने वाला कोई है ? क्या यह सारी मखलूक अपने खालिक की हस्ती, उसकी ज़ात और उसकी तोहिद पर दलालत नहीं करती ? यह है वोह दलाईल जो खुदाबंद तआला ने अपनी ज़ात के मनवाने के लिए हर निगाह के सामने कर रखे हैं जो उसकी जबरदस्त कुदरतों और उसकी पुरजोर हिकमतों, उसकी लाफ़ानी रहमतों, उसके बेनजीर इनामों, उसके लाजवाब एहसानों पर दलालत करने पर काफी वह दवाफी हैं।

अबू नवास से जब अल्लाह के वजूद पर सवाल किया गया तो आपने फरमाया "आसमान से बारिश का बरसाना और उससे दरख्तों का पैदा होना और उन हरी-हरी शाखों पर खुश जायका मेवों का लगना अल्लाह तआला के वजूद और उसके होने की दलील काफी है।"

इब्नूल मोतज़िल का कौल है कि "अफसोस अल्लाह तआला की नाफरमानी और उसकी ज़ात के झुठलाने पर लोग दिलेरी कर जाते हैं हालांकि हर चीज उस परवरदिगार की हस्ती और उसके लाशरीफ होने की गवाही देती है।" हमारा यह इकरार में अकीदा है कि उसके सिवा कोई माबूद नहीं । उसके सिवा इस तमाम कायनात को पालने पोसने और पैदा करने वाला व उसकी हिफाज़त करने वाला कोई दूसरा माबूद नहीं है । उसके सिवा कोई मस्जूदो शरीक नहीं । ए दुनिया के लोगों सुन रखो कि हमारा तवक्कुल और भरोसा उसी पर है । हमारी इल्तिज़ा उसी से है हमारे हाथ दुआ के लिए उसी के सामने उठते हैं । हमारा सजदा रेज़ होना, झुक्नो और पस्त होना उसी के सामने है। हमारी तमन्नाओं का मर्कज़ और हमारी उम्मीदों का सहारा व आसरा, हमारा पनाह लेने वाला लेने का ठिकाना बस अल्लाह तआला ही है । हम सबको उसी के दस्ते रहमत को तकते रहना चाहिए और हरकत हमको उसकी याद में मशगूल व मसरूफ रहना चाहिए। अल्लाह हम सब को अपने करम व फज़ल से उसको ज्यादा से ज्यादा याद करने की तौफीक अता फरमाए । आमीन

(माखूज़ इबने कसीर तफसीर)

हबीबुल्लाह, एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

शिक्षा दिवस पर मौलाना आजाद को याद किया गया, 10 शिक्षक सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा दिवस के अवसर पर मदरसा जामिया तय्यबा मेमोरियल स्कूल में एक समारोह का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन के बैनर तले हुए इस कार्यक्रम में स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न मौलाना आजाद को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नजीफा जाहिद ने की और मंच संचालन जुनैद चौहान ने किया। इस मौके पर वक्ताओं ने मौलाना आजाद की जीवनी, उनकी शिक्षाओं और उपलब्धियों पर अपने विचार रखे। उन्होंने मौलाना आजाद को एक महान स्वतंत्रता सेनानी, कवि, लेखक, पत्रकार और आधुनिक शिक्षा का शिल्पकार बताया। समारोह में ऑल इंडिया आइडियल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष खालिद अख्तर, अमीन कायमखानी, डॉक्टर इस्माइल, हाजी नवाब अली, मंसूर आलम, उस्मान चौहान, अरशद वारसी, सव्वाम भाई और इंजीनियर आबिद समेत कई मेहमान मौजूद रहे। इस अवसर पर जामिया के डायरेक्टर कारी मोहम्मद इसहाक ने 10 शिक्षकों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए "बेस्ट टीचर अवार्ड" से सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में रजिया सुल्ताना, अनोखी मीणा, शगुफ्ता परवीन, मोहम्मद सोहेल, नुसरत, नाजिया, नसरीन और अय्यूब अली शामिल थे। सेमिनार में देश और मुस्लिम समाज की शैक्षिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और इसी के सहारे दुनिया में तरक्की की जा सकती है।

ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ सवाई माधोपुर इकाई का गठन

-महासचिव नईमुद्दीन आकिल ने पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ सवाई माधोपुर इकाई का शनिवार को एक बैठक के दौरान गठन किया गया । बैठक में प्रदेश महासचिव नईमुद्दीन आकिल, संयुक्त सचिव इकरामुल्लाह खान, राज्य परिषद सदस्य इकबाल अफरीदी तथा जयपुर शहर अध्यक्ष वसीम छीपा, महासचिव अब्दुल अंसार और कार्यकारिणी सदस्य मुदब्बीर खान ने भाग लिया । महासचिव नईमुद्दीन आकिल ने कार्यकारिणी पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई । कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष सलीम खान, उपाध्यक्ष अंसार खान एवं गुलफशा बानो तथा सचिव आमिर अली एडवोकेट, कोषाध्यक्ष आदिल अली पार्षद वार्ड 33, संयुक्त सचिव नन्हे मियां, सदस्यगण शबनम खान, तबस्सुम बानो, शमा बानो और फिरोज खान निर्विरोध निर्वाचित हुए। नवीन कार्यकारिणी को जयपुर में होने वाले आगामी राज्य स्तरीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आमंत्रित किया गया

दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा इस्लाम!

-हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को लेकर रिसर्च रिपोर्ट में क्या खुलासा?

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों में इस्लाम धर्म को लेकर रिपोर्ट्स सामने आईं कि ये तेजी से दुनिया में फैल रहा है । इसको लेकर एक रिसर्च रिपोर्ट और सामने आई है । साल 2010 से 2020 के बीच Pew रिसर्च सेंटर ने एक रिसर्च कराई, जिसमें इस्लाम धर्म को लेकर एक खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक इस टाइम पीरियड के बीच मुसलमानों की आबादी 34 करोड़ 70 लाख ज्यादा हो गई है । इसी के साथ ईसाइयों की जनसंख्या में कमी देखने को मिली है । बता दें कि दुनिया में अभी भी सबसे ज्यादा आबादी मुस्लिमों की नहीं है ।

प्यू रिसर्च सेंटर ने किया शोध

सभी धर्मों की जनसंख्या को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर (वाशिंगटन डी.सी.) की एक रिसर्च सामने आई है । इसमें हिंदू, मुसलमान, ईसाई और बौध्द धर्म की आबादी के आंकड़े दिए गए हैं। इस रिसर्च में बताया गया कि 10 सालों में मुसलमानों की आबादी 34 करोड़ 70 लाख ज्यादा बढ़ गई है । यानि दुनियाभर में ये आबादी करीब 2 अरब तक है। वहीं कुल जनसंख्या की बात की जाए तो ये दुनिया की जनसख्या में 1.8 फीसदी बढ़कर 25.6 फीसदी तक बढ़ी है । रिपोर्ट में बताया गया कि मुस्लिमों में युवाओं की संख्या काफी ज्यादा है।

हिंदू और ईसाई धर्म में कितनी बढ़ोतरी?

प्यू रिसर्च में हिंदुओं की आबादी में बढ़ोतरी हुई है। दुनियाभर में हिंदू धर्म को मानने वाले 14.9 फीसदी हैं । इसी के साथ ये 4 नंबर पर है । 2010 से 20 के बीच इनकी आबादी खाड़ी और अफ्रीका में बढ़ी है । ये बढ़ोतरी 62 फीसदी बताई गई । इसके अलावा, ईसाइयों की संख्या में काफी गिरावट देखने को मिल रही है।

10 साल में ईसाइयों की आबादी 12 करोड़ 20 लाख तक बढ़ गई है । दुनिया में ईसाई धर्म के लोग 2.3 अरब हैं, जो कुल आबादी का 29 फीसदी हैं । इसी के साथ ये अभी भी दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला धर्म है । इसमें गिरावट इसलिए कही जा रही है, क्योंकि पहले ईसाई दुनिया की आबादी का 30.6 फीसदी थे।

एक तरफ बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों में गिरावट बताई गई है, तो दूसरी तरफ ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो किसी भी धर्म को नहीं मानते हैं। नास्तिक लोगों की संख्या 24.2 फीसदी बताई गई, जो पहले 23.3 फीसदी थी।

जेडीए द्वारा दस बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी की करीब 10 बीघा कृषि भूमि पर फार्म हाउस योजना हेतु बनाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनियों का पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित दिल्ली रोड़, ग्राम सिंघवाना, जेडीए की फार्म हाउस योजना के पास, जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर फार्म हाउस योजना हेतु बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारम्भिक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 325 आज तक कुल 708 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनियॉ बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

ए. आर. वेलफेयर फाउंडेशन ने मजदूरों को सर्दियों के टोपे वितरित किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ए. आर. वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से गरीब, मजदूर और बेलदारों को सर्दियों में ठंड से बचने के लिए टोपो (सिर पर पहनने के लिए) का वितरण किया गया । फाउंडेशन के अध्यक्ष आईएएस (रिटायर्ड) ए. आर. खान ने बताया कि सर्दियों में दिहाड़ी मजदूरों को सुबह-सुबह काम करने के लिए रोजाना जाना पड़ता है । टोपा पहनने से इनको सर्दी कम लगेगी । खान ने बताया कि इस अवसर पर एसएमएस हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक विभाग के पूर्व अध्यक्ष और हैड डॉ. वी. के. पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता कंवलजीत सिंह, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल पोखरना एवं हरमनप्रीत आदि गणमान्य लोग मौजूद थे । ए. आर. फाउंडेशन अक्सर गरीब बच्चों, मजदूरों एवं महिलाओं की मदद का काम करता रहता है।

"सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना" विषय पर राज्य एवं जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत देशभर में मनाये जा रहे 72वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के तहत राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड द्वारा रविवार को "सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना" विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट ने की। जाट ने सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं और केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता पर वर्तमान सरकार का विशेष रूप से फोकस है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए राज्य में सहकारिता सेक्टर को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को और मजबूती दें, इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था भी अधिक मजबूत होगी। राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के प्रबंध निदेशक जितेंद्र प्रसाद ने इस अवसर पर विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाने में राज्य सरकार की दीर्घकालीन कृषि एवं गैर-कृषि ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। राज्य सरकार ने 400 करोड़ रुपये का दीर्घकालीन ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास में भूमि विकास बैंकों की महती भूमिका रही है। विगत कुछ वर्षों से कमजोर होती जा रही भूमि विकास बैंकों की स्थिति को मजबूत करने एवं किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा लाई गई एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

अपेक्स बैंक के प्रबंध निदेशक संजय पाठक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला तथा राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डालते हुए उन्हें समुचित रूप से क्रियान्वित करने का आव्हान किया। राजस्थान राज्य सहकारी संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंदर सिंह ने सहकारिता में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था के सहकारिता के सिद्धांतों पर काम करना कठिन है। सहकारिता का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था से ही सुचारू रूप से संभव हो सकता है। उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के दीर्घकालीन साख सेक्टर की मजबूत हो रही स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के लिए लाई गई एकमुश्त समझौता योजना के सफल क्रियान्वयन से इन बैंकों का पुनरुद्धार संभव हो सकेगा। कार्यक्रम में विभिन्न प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के अध्यक्षों सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। संबंधित प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों द्वारा रविवार को विभिन्न जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

सांस्कृतिक महोत्सव के लिए तैयारियाँ तेज, कलाकारों में उत्साह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। घूमर फेस्टिवल 2025 का राज्यव्यापी आयोजन आगामी 19 नवम्बर को सभी संभागीय मुख्यालयों पर एक साथ किया जाएगा। जोधपुर में मुख्य कार्यक्रम राजकीय उम्मेद स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसके लिए प्रशासन एवं पर्यटन विभाग द्वारा आवश्यक तैयारी कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पोस्टर विमोचन के साथ मिली आयोजन को नई गति—

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को जोधपुर प्रवास के दौरान घूमर फेस्टिवल 2025 के पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने फेस्टिवल की तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शेखावत ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने का अवसर है तथा सभी आयु वर्ग की प्रतिभागियों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने भी आयोजन की आशातीत सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश अपनी कला और सांस्कृति के लिए विश्वविख्यात है और ऐसे आयोजन कला को नए मंच और अवसर देते हैं। इस अवसर पर श्रीमती कमलेश, क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय के उपनिदेशक भानूप्रताप, उपनिदेशक डॉ. सरिता फिड़ौदा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों का उत्साह चरम पर—

उल्लेखनीय है कि पर्यटन विभाग, जोधपुर द्वारा वर्तमान में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आरटीडीसी होटल घूमर में विशेष घूमर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं। अनुभवी कोरियोग्राफरों द्वारा प्रतिभागियों को घूमर के पारंपरिक एवं प्रस्तुति-आधारित स्टेप का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। घूमर फेस्टिवल की जोधपुर प्रभारी श्रीमती सोनिया रामचंदानी ने कार्यशाला का निरीक्षण कर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता का अवलोकन किया।

लोहार समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

-73 जोड़ों का 8 काजियों की मौजूदगी में निकाह हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लोहार पंचायत की ओर से जयपुर में एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जो सामाजिक एकता की मिसाल बन गया। इस विशाल आयोजन में एक ही मंच पर 73 जोड़ों ने निकाह पढ़कर अपने नए खुशियों भरे सफर की शुरुआत की। समारोह में 8 काजियों की मौजूदगी में निकाह की रस्में अदा की गईं। यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया, जिसमें समाज के हजारों लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस भव्य सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए न केवल जयपुर, बल्कि देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लोहार समाज का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम को सामाजिक एकता और सामूहिकता के एक अनूठे उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। विवाह समारोह में समाज के सदस्यों के अलावा राजनीतिज्ञ, कार्यकर्ता एवं समाजसेवियों ने शिरकत की।

हमारी ख़्वाहिश एनजीओ की रेहाना पठान को राष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ में सम्मानित किया गया

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के राजगढ़ तहसील से हमारी ख्वाहिश एनजीओ की रेहाना पठान को राष्ट्रीय स्तर पुरस्कार से सम्मानित किया गया उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एसोसिएशन मुस्लिम प्रोफेशनल द्वारा राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मौलाना खालिद रशीदी फिरंगी महल लखनवी और अध्यक्ष आमीर एवं प्रमुख ए फारूकी सिद्दीकी और मिर्जा मोबिन आदि रोनके स्टेज रहे । समारोह में भारत के अलग-अलग राज्य से आए हुए सभी एनजीओ को सम्मानित किया गया रिहाना पठान ने बताया कि यह संगठन भारतवर्ष में मुस्लिम पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करता है और समुदाय में शांति और प्रकृति को बढ़ावा देने के लिए जो कार्य करते हैं उन्हें सम्मानित करता है। राजस्थान से हमारे संगठन को सम्मानित किया गया। यह हमारे लिए गौरवानित है।

हर चिकित्सा संस्थान मानकों पर उतरे खरा- चिकित्सा मंत्री

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खीवसर ने कहा है कि प्रदेश के हर व्यक्ति को सुगमता के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए चिकित्सा संस्थानों में इंडियन पब्लिक हैल्थ स्टेण्डर्ड की पालना सुनिश्चित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि प्रदेश का हर चिकित्सा संस्थान स्वास्थ्य मानकों पर खरा उतरे, इसके लिए मिशन मोड में निरीक्षण कर अस्पतालों में व्यापक स्तर पर सुधार किए जा रहे हैं। चिकित्सा मंत्री शुक्रवार को सवाई माधोपुर में जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने वहां जांच, दवा एवं उपचार व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का गहन निरीक्षण किया। चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल के मुख्य भवन में ट्रोमा वार्ड, आईसीयू और विभिन्न यूनिटों का निरीक्षण कर वहां उपचार सुविधाओं को देखा। उन्होंने उपकरणों की क्रियाशीलता भी जांची। चिकित्सा मंत्री ने मरीजों से सीधे संवाद कर अस्पताल में उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का फीडबैक लिया। बुजुर्गों के लिए बनाए गए रामाश्रय वार्ड में भर्ती वरिष्ठ नागरिकों से उनकी कुशलक्षेम पूछी। खींवसर ने ड्रग स्टोर में दवाओं की उपलब्धता, भंडारण और वितरण की स्थिति की जानकारी ली। चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल की आंतरिक सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन बाहरी परिसर में सफाई व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। बायोमेडिकल वेस्ट का नियमानुसार डिस्पोजल हो और भवन साफ-सुथरा रहे ताकि किसी को संक्रमण का खतरा नहीं हो। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजराम मीणा को निर्देश दिए कि सफाई करने वाली फर्म के तत्काल सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए पाबंद करें।

नगर निगम ने बेघर, आश्रयहीन लोगों के लिये सर्दी से बचाव हेतु शुरू किये अस्थायी रैन बसेरे

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम जयपुर क्षेत्र में बेघर, अनाथ आश्रयहीन लोगों को सर्दी से बचाव हेतु आश्रय प्रदान करने के लिए नगर निगम द्वारा कुल 14 स्थानों पर अस्थाई आश्रय स्थल (रैन बसेरा) बनाए गए हैं। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि सर्दी के प्रारंभ को देखते हुये 15 नवंबर से अस्थायी आश्रय स्थल शुरू कर दिये गये हैं । शेष आश्रय स्थल 1 दिसंबर से प्रारंभ कर दिये जायेंगे। संबंधित जोन उपायुक्त अस्थायी एवं स्थायी आश्रय स्थलों के प्रभारी होंगे। इन रैन बसेरों के अंतर्गत 1. आदर्श नगर जोन में ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे, 2. सिविल लाइन जोन में खासा कोठी पुलिया के नीचे, 3. सिविल लाइन जोन परमानंद हॉल सहकर मार्ग सी स्कीम, 4. सिविल लाइन जोन में हसनपुरा पुलिया के नीचे एवं 5. स्टेट कैंसर संस्थान प्रताप नगर सांगानेर जोन, 6. रामनिवास बाग के पीछे सुलभ शौचालय के पास मालवीय नगर जोन, इन स्थानों पर बनाये गये रैन बसेरे 15 नवंबर से प्रारंभ हो गए हैं। इसके अतिरिक्त मालवीय नगर जोन के जेके लोन अस्पताल गेट के पास, गांधीनगर रेलवे स्टेशन के सामने, महारानी फार्म पुलिया के नीचे मानसरोवर जोन, विद्याधर नगर सै. 6 एच.पी. पेट्रोल पंप के पास मुरलीपुरा जोन, 200 फीट बाईपास दिल्ली अजमेर रोड झोटवाड़ा जोन, जी.टी. पुलिया के नीचे मालवीय नगर जोन, सांगानेर पुलिया के नीचे जगतपुरा जोन, गोपालपुरा पुलिया त्रिवेणी नगर के नीचे मानसरोवर जोन में रैन बसेरे एक दिसंबर से प्रारंभ किए जाएंगे।

12 स्थायी आश्रय स्थलों का संचालन भी किया जा रहा है-

इसके अतिरिक्त 12 स्थाई आश्रय स्थलों का संचालन भी नगर निगम जयपुर द्वारा किया जा रहा है जिसके अंतर्गत 1. गांधी घर, बांगड अस्पताल परिसर में जेएलएन रोड़ पर, 2. लालकोठी महिला छात्रावास के पीछे पुलिस मुख्यालय के पास, 3. स्टेडियम रोड़, सांगानेर स्थित नगर निगम का पुराना भवन, 4. थड़ी मार्केट, हाजरीगाह परिसर, 5. जगतपुरा रेलवे स्टेशन, 6.पुराना पंचायत भवन भांकरोटा, 7.झालाना बाईपास, 8.शहीद भगत सिंह पार्क, वृद्धाश्रम, आदर्श नगर जोन, 9.रेल्वे स्टेशन के पास रैन बसेरा सिविल लाईन जोन, 10.दूध मण्डी, पानीपेच तिराहा (ट्रांसजेन्डर हेतु आरक्षित) सिविल लाईन जोन, 11.नगर निगम विद्याधर नगर जोन का पुराना भवन शास्त्री नगर सिविल लाईन जोन एवं 12. गोविन्द देव जी मन्दिर के पास जनता मार्केट के पास हवामहल-आमेर जोन सहित कुल 12 स्थायी आश्रय स्थल संचालित है।

ये होगी व्यवस्थाऐं-

1. अस्थायी आश्रय स्थलों में 24 घंटे गार्ड की व्यवस्था साथ ही ठहरने वाले व्यक्तियों का रिकॉर्ड संधारित करना। 2. अलाव एवं लकड़ी की व्यवस्था। 3. सेनेटाईजर, अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता। 4. आवश्यकतानुसार चल शौचालय की व्यवस्था। 5. शुद्ध पेयजल की व्यवस्था। 6. मेटिंग रजाईयों की व्यवस्था। 7. कचरा पात्र की व्यवस्था।

अंता विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया की ऐतिहासिक जीत

-कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान के बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर हुए उप चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने बड़ी जीत हासिल की है। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को 15612 वोटों से हराया। त्रिकोणीय मुकाबले में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया को 69571 मत मिले, भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को 53959 मत हासिल हुए। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को 53800 मत मिले। बाकी के लगभग 12 प्रत्याशी हजार के आंकड़े से भी बहुत दूर रहे। नोटा को 923 मत मिले। चुनाव की शुरुआत से ही मुकाबला त्रिकोणीय नज़र आ रहा था। जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने भी कड़ा संघर्ष किया ओर बड़ी संख्या में मत हासिल किए। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मोरपाल सुमन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो बार प्रचार के लिए आए, साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने लगभग 5 दिन से ज्यादा समय बारां में ही गुजारा ओर चुनाव की कैंपेनिंग की। लेकिन नतीजे एक दम चौंकाने वाले आए।

अंता विधायक प्रमोद जैन भाया के लिए प्रचार में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व यूडीएच मंत्री व विधायक शांति धारीवाल, हिंडोली विधायक व इस चुनाव के प्रभारी अशोक चांदना, सह प्रभारी सी एल प्रेमी, पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, राजस्थान खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष आमीन पठान सहित कई दिग्गज व बड़े नेता मैदान में उतरे और कैंपेनिंग की। जिसका नतीजा रहा कि प्रमोद भाया बड़े अंतर से इस चुनाव में विजय हुए। विजय होने के पश्चात प्रमोद जैन भाया का उनके आवास पर समर्थकों ओर आमजन द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। उन्हें फूल माला ओर साफा पहनाकर मुंह मीठा करवाकर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

किशनगंज में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) बारां जिले के किशनगंज कस्बे में स्वर्गीय ओमप्रकाश व्यास मानव सेवा समिति, बारां व चारभुजानाथ सेवा समिति, किशनगंज के सहयोग से रविवार 16 नवंबर 2025 को भव्य निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सहकारी समिति परिसर, बस स्टैंड के पास आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 173 मरीजों ने चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया।

शिविर का शुभारंभ अतिथियों क्षेत्रीय विधायक डॉ. ललित मीणा, भारतमाता कॉलेज के निदेशक डॉ. मजीद मलिक कमांडो, पूर्व प्रधान पटेल मनोज चौधरी, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कर्मचारी कल्याण संस्थान के जिला अध्यक्ष भारत सिंह आदि की उपस्थिति में किया गया। दोनों समितियों स्व. ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति, बारां तथा चारभुजानाथ सेवा समिति, किशनगंज के सदस्यों अंशुल व्यास, रामनिवास सुमन, मुकेश गुरदिया, दूरदर्शी जैन, मदन शाक्यवाल, संजय राठौर, सत्येंद्र धाकड़, नेमीचंद गुरदिया, योगेश सोनी, हरिशंकर कटारिया आदि के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। समिति के प्रमुख सदस्यों वीरेंद्र शर्मा, दीपेश गर्ग, वत्सल उपाध्याय ने सभी डॉक्टरों और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संबोधन के दौरान विधायक डॉ. ललित मीणा ने कहा कि "इस प्रकार के चिकित्सा शिविर हमारे क्षेत्र के लिए काफी कारगर हैं। स्व. ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति लगातार मानव सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है, जिसका श्रेय समिति के प्रत्येक सदस्य को जाता है। शिविर में प्रिया हॉस्पिटल, बारां के डॉक्टरों डॉ. राजाराम मीणा लेप्रोस्कोपिक सर्जन, डॉ. शुभांशु जैन हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ, स्पाइन सर्जन, डॉ. नितेश मीणा, डॉ. समरा मसूद स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. रोहिन मीणा चर्म रोग विशेषज्ञ, डॉ. रविंद्र गर्ग, भुनेश शर्मा आदि ने सेवाएं दी। डॉ. शुभांशु जैन ने बताया कि शिविर में कमर दर्द एवं घुटनों के दर्द से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। उन्होंने ऐसे मरीजों को कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों एवं आवश्यक उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ. समरा मसूद ने महिलाओं को प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं और उनकी रोकथाम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण SIR के तहत शिविर का आयोजन

-पार्षद शरीफ रंगरेज व आमजन के सहयोग से लगे शिविर का सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले में चल रहे मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR) के तहत कई लोगों को फार्म भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इसके लिए वार्ड नंबर 44 के पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा स्थानीय लोगों के सहयोग से मेला ग्राउंड स्थित फूल पीर साहब जमात खाने में SIR मतगणना फार्म शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड नंबर 44, वार्ड 56 और वार्ड 57 के बीएलओ सहित कई शिक्षित युवाओं ने श्रमिक कॉलोनी सहित अन्य जगह से आए लोगों के फॉर्म को भरा गया। इसके पश्चात बीएलओ ने फार्म को चेक करके त्रुटि सुधार करके जमा भी किए। शिविर में वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, मास्टर अयूब अली, पूर्व पार्षद नियाज़ मोहम्मद, बीएलओ मोहम्मद आबिद देशवाली, जफीर अहमद, पार्षद परवेज खान सहित कई लोगों ने अपना योगदान दिया। इस दौरान शिविर का जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने भी निरीक्षण किया। शिविर की व्यवस्थाओं को देखकर संतुष्ट नजर आए। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चला, इस दौरान लगभग तीन सौ लोगों ने अपने फार्म को पूरी तरह भर कर बीएलओ को जमा करवाए ।

झालावाड़ में कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक,आगामी चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक रविवार 16 नवंबर को कांग्रेस कार्यालय झालावाड़ में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिले की प्रभारी हिमानी नंदवाना (राजसमंद) उपस्थित रहीं, जबकि बैठक की अध्यक्षता महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष वर्षा शर्मा ने की।

मुख्य अतिथि हिमानी नंदवाना ने संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले पंचायत और निकाय चुनावों में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति अपने-अपने क्षेत्रों में अभी से ही चुनावी कार्य शुरू कर दे और अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने कांग्रेस विचारधारा से जुड़ी महिलाओं को संगठन में आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित करने का आग्रह भी किया। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष वर्षा शर्मा ने बताया कि बैठक में चुनाव के दौरान आमजन से संपर्क बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन के विस्तार को लेकर भी महिलाओं से सुझाव लिए गए। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर, विधायक सुरेश गुर्जर, सेवादल जिलाध्यक्ष नंदसिंह राठौड़, वरिष्ठ नेता रामलाल चौहान, सिद्दीक गोरी, देवकीनंदन वर्मा, महेंद्र प्रताप सिंह झाला, ब्लॉक अध्यक्ष इम्तियाज हुसैन, पूर्व चेयरमैन बालकिशन बादल और अजित जैन सहित अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे। संचालन नितिन सेठी ने किया।

बैठक में मौजूद महिला पदाधिकारी

महिला जिला अध्यक्ष वर्षा शर्मा, उपाध्यक्ष रेहाना, झालरापाटन ब्लॉक अध्यक्ष सुशीला जैन, नगर अध्यक्ष मोनिका सेठी, प्रवक्ता रेखा कुमारी, नगर अध्यक्ष रानी शर्मा, सचिव अनुभा तिवारी, अकलेरा नगर अध्यक्ष हेमलता जैन, खानपुर की हेमलता यादव, नगर अध्यक्ष रईसा, कृष्णा बाई, रीना दांगी और कृष्णा राठौड़ उपस्थित रहीं। 60 लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की,बैठक के दौरान मनोहरथाना क्षेत्र से 60 लोगों ने कांग्रेस विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस नेता नेमीचंद मीना ने सभी नए सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया और उनका सम्मान किया।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

-बीएलओ के कार्यों का लिया जायजा

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले में चल रहे मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने रविवार 16 नवंबर को नारेड़ा, केदाहेड़ी, पाठेड़ा, लिसाडिया, श्रमिक कॉलोनी, लंका कॉलोनी, अटरु रोड एवं शिवाजी नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा उन्हें समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने घर-घर सत्यापन, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृतकों के नाम हटाने तथा सूची में शुद्धता बनाए रखने से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। कलक्टर ने मौके पर मौजूद नागरिकों से भी संवाद किया तथा उन्हें मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, त्रुटि सुधारने और पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने को लेकर आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान एसडीएम विश्वजीत सिंह, संबंधित तहसीलदार, अन्य अधिकारी तथा बीएलओ मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए और प्रत्येक दावा-आपत्ति का समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ लगातार जारी रहेंगी, ताकि अधिक से अधिक लोग लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक होकर मतदाता सूची में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

रामगंजमंडी खनन क्षेत्र में तोल कांटों की धीमी गति से बढ़ी परेशानी

-एसोसिएशन ने जताई चिंता

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी कोटा स्टोन स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र काला और सचिव अखलेश मेडतवाल ने सोमवार को कोटा में खनन विभाग के अधीक्षण अभियंता अविनाश कुलदीप से मुलाकात कर रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के खनन क्षेत्रों में स्थित तोल कांटों पर हो रही देरी को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रतिनिधियों ने बताया कि पहले एक वाहन का वजन मात्र दो मिनट में पूरा हो जाता था, लेकिन पिछले दो महीनों से यह समय बढ़कर - लगभग दस मिनट प्रति वाहन लगने लगा है। इस कारण खदानों से निकलने वाली गाड़ियों की लंबी कतारें लग रही हैं और परिवहन व्यवस्था बाधित हो रही है। नरेंद्र काला ने कहा कि यदि यही स्थिति बनी रही तो खनन व्यवसायियों के साथ-साथ मजदूरों को भी भारी नुकसान होगा। समय पर तोल नहीं होने से गाड़ियां देर रात तक फंसी रहती हैं, जिससे ईंधन और श्रम दोनों की बर्बादी हो रही है।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क आंखों का कैंप एवं चिकित्सा शिविर आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क आँखों का केंप एवं चिकित्सा शिविर रविवार 16 नवंबर 2025 को विज्ञान नगर, कोटा मे मिनी मोटर मार्केट के पास आयोजित किया गया । ट्रस्ट के सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद हयात ख़ान ने बताया कि केंप मे डॉक्टर सुधीर गुप्ता एवं टीम द्वारा 290 रोगियों को आँखों की जांच कर दवाइयाँ वितरित की गईं तथा 20 रोगियों के नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपित किए गए । ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन सलीम अब्बासी ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि, इस नि:शुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर मे अस्थमा, श्वास, एवं एलर्जी के रोगियों की मशीन द्वारा नि:शुल्क जांच की गईं । केंप मे नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. हितेश मीणा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अहमद जुबेर, जनरल सर्जन डॉ. शाहिद हुसैन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नाज़िया परवीन, फ़िजीशियन डॉ. अशहत इज़ान, डॉ. अक़ील ख़ान, डॉ. शाहबाज़ ख़ान, स्किन रोग, न्युरोथेरपी, व पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. अंजुम अंसारी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अल्फ़ा सैय्यद, फ़िजियोथेरपिस्ट डॉ. फ़ातिमा ख़ान ने अपनी सेवाएँ प्रदान कर 320 मरीज़ों को परामर्श दिया जिन्हें आवश्यक जाँचें और दवाइयाँ नि:शिल्क वितरित की गई । प्रोग्राम में मेहमाने ऐजाज़ी, रफीक भाई कोटा टायर एसोसिएशन के अध्यक्ष, सोहेल भाई कोटा कार बाजार के अध्यक्ष, रफीक भाई छावनी जामा मस्जिद के सदर, पार्षद, सोनू अब्बासी, मंडी समिति से, मोहम्मद असलम, राईन समाज के सदर शकील अहमद, सचिव जॉनी राईन रहे । शिविर को कामयाब बनाने में मुख्य रूप से, अशफाक मंसूरी, रशिदुद्दीन, निसार अहमद, इमरान अली, मुश्ताक अहमद, नासीर भाई, जावेद भाई सनराइज, डॉक्टर आबिद खान,शाहिद रिज़वी, मिर्जा नफीस बैग, हाजी हुसैन मुख़्तार अंसारी, सोहेल भाई झालावाड़, जावेद भाई रंगपुर, राशिद भाई एम आर, आमिर भाई एम आर, कंपाउंडर अब्दुल वहीद, मास्टर सलाम सीसवाली, अशफाक भाई फोटोग्राफर, असलम रोमी, नवाबुर्रहमान, केम्प संयोजक इमाम मंसूरी रहे । अंत में सभी मेहमानों डॉक्टरों, नर्सिंग स्टॉफ जिन लोगों ने शिविर को कामयाब बनाया उन सभी का एम सी टी क्लिनिक मैनेजमेन्ट प्रभारी ज़ाकिर आसफी ने दिल से शुक्रीया अदा किया । इस केंप मे हाड़ोती क्षेत्र के लगभग 610 मरीज़ लाभान्वित हुए।

सेवा-सौहार्द से सरोबार इनरव्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन की आधिकारिक यात्रा हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। सेवा, समर्पण और सौहार्द से सजे वातावरण में डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन बिंदु गुप्ता की आधिकारिक यात्रा इनरव्हील क्लब बारां, अंता एवं मांगरोल द्वारा उत्साहपूर्ण ढंग से सम्पन्न की गई। क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि बीकानेर से पधारी डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन बिंदु गुप्ता का स्वागत विशेष गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर बारां जिला प्रमुख उर्मिला जैन तथा ग्वालियर (मप्र) से डिस्ट्रिक्ट आईएसओ अलका भार्गव विशिष्ट अतिथि रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ साज-सज्जा, पटाखों, आरती एवं पुष्पवर्षा के साथ कार्यक्रम का संचालन कर रही ललिता टोंग्या एवं सुमन गोयल ने किया। क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता द्वारा बैठक की औपचारिक घोषणा और इनरव्हील प्रार्थना ओर दीप प्रज्ज्वलन से शुरुआत हुई। स्वागत श्रृंखला में बारां अध्यक्ष नीतू गुप्ता, अंता अध्यक्ष माधुरी मीणा तथा मांगरोल अध्यक्ष किरण मारू ने डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन का माल्यार्पण, तिलक व साफा-दुपट्टे से अभिनंदन किया। शिल्पा गर्ग और सीमा सिंह द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। क्लब अध्यक्ष ने स्वागत भाषण में क्लब की उपलब्धियों एवं सेवा कार्यों का परिचय कराया। विमंदित बच्चों की नृत्य व लघुनाटिका प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। क्लब सचिव द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा डिस्ट्रिक्ट आईएसओ ने जिला स्तरीय गतिविधियों का विवरण साझा किया। डिस्ट्रिक चेयरमैन द्वारा बारां क्लब की विविध सेवा परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया इनमें शामिल थे बारां क्लब के 7 प्रोजेक्ट। जिनमें 10 बालिकाओं की बोर्ड फीस हेतु चेक वितरण, महिला सशक्तिकरण हेतु सिलाई मशीन, वृद्धजन के लिए ट्राइसाइकिल, प्रौढ़ शिक्षा हेतु 5 प्रौढ़ों व शिक्षक का सम्मान, विमंदित बच्चों को 10 फैंसी ड्रेस, विभिन्न खेल सामग्री एवं अन्य सामाजिक उपयोगी उपहार इत्यादि। अपने संबोधन में चेयरमेन ने इनरव्हील की मूल भावना सेवा, सौहार्द और सहयोग"को आत्मसात करने का संदेश दिया। बारां क्लब द्वारा वर्ष 2025-26 जुलाई से नवम्बर तक किये जाने वाले 83 से अधिक सेवा कार्यो की बहुत ही सराहना की व सभी पदाधिकारियों के कार्यो के लिए बारां क्लब की बधाईया दी। विशिष्ट अतिथि उर्मिला जैन भाया ने तीनों क्लबों को सतत आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में बारां क्लब की कोषाध्यक्ष मंजू बंसल ने बताया कि इस विजिट कार्यक्रम में बारां क्लब से चार्टर सेक्रेटरी मृदुला मारू, इंद्रा गालव, अनिता सेठी, सुधा गोयनका, चन्दा ठाकुरिया, डॉ नेहा गुप्ता, सुलेखा जैन, दिव्या जैन, शिल्पा गर्ग, प्रेरणा शर्मा इनरव्हील क्लब अंता से सचिव सुरभि खण्डेलवाल, नीतू सोनी, पूजा जैन, सुधा खण्डेलवाल, रिंकेश मीणा, भारती गौतम, मांगरोल से भी सचिव माधुरी बावेल अनिता वैद्य, टीना पारेता, टीना जैन, मंजू गौतम एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर उपाध्यक्ष ने धन्यवाद व्यक्त किया। अंत में क्लब अध्यक्ष ने बैठक स्थगित कर इनरव्हील क्लब के आदर्शों पर दृढ़ता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। बारां, अंता और मांगरोल क्लबों द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। अंत में नीतू गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दो दिवसीय ए.एम.पी. नेशनल एन.जी.ओ. कॉन्फ्रेंस 2025 लखनऊ में संपन्न

लखनऊ/कोटा (रॉयल पत्रिका) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दिनांक 15 व 16 नवंबर को आयोजित हुई एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (ए.एम.पी.) की नेशनल एन.जी.ओ. कॉन्फ्रेंस में देश के सभी राज्यों से आए करीब एक हजार डेलीगेट्स कार्यक्रम में शामिल हुए।

15 नवंबर को सुबह 9 बजे झंडारोहण करने के बाद प्रोग्राम का आगाज किया गया।

प्रोग्राम पहले दिन तीन सेशन में आयोजित हुआ, जिसमें देश भर से आए हुए शिक्षा विद, वाइस चांसलर, उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्ता, मीडिया की टीमें उपस्थित रहीं। प्रोग्राम को सभी आमंत्रित वक्ताओं ने संबोधित किया।

वर्तमान में मुस्लिम समाज में शिक्षा की कमी को पूर्ण करने के लिए सभी आगंतुकों ने देश भर में गुणवत्ता शिक्षा पर अपने विचार प्रकट किए एवं वादा किया कि मुस्लिम समाज में शिक्षा की बेहतरी के लिए नए स्कूल, यूनिवर्सिटी, शिक्षण संस्थाएं खोलने की प्रतिज्ञा ली।

अंत में ए.एम.पी. के नेशनल अध्यक्ष आमिर इदरीसी द्वारा 2007 से लेकर 2025 तक ए.एम.पी. द्वारा किए गए कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया और आगामी 25 वर्षों तक का विकास प्लान प्रस्तुत किया । नेशनल टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन भी किया गया, जोकि 13 दिसंबर को देश के 400 जिलों में आयोजित की जा रही है।

ए.एम.पी. अध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि ए.एम.पी देश के हर जिले और हर ब्लॉक में अपनी योजनाओं को संचालित करने जा रही है। उन्होंने ए.एम.पी जकात फंड से गरीबों की ज्यादा से ज्यादा सहायता करने की अपील की।

प्रोग्राम में राजस्थान ए.एम.पी. टीम के 20 डेलीगेट्स ने भाग लिया। कोटा से इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, कमरूज जमा खान, शाहनवाज खान, अंसार इंदौरी आदि ने भाग लिया।

अंसार इंदौरी को मानव अधिकार क्षेत्र में उत्कर्ष कार्य के लिए गेम चेंजर अवार्ड से सम्मानित किया गया एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कर्ष कार्य करने वाले अन्य अतिथियों को भी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्रोग्राम का समापन राष्ट्र गान के साथ सम्पन्न हुआ।

रामगंजमंडी नगरपालिका ने 10 लोगों को सौंपे पट्टे

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी में नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने 10 लाभार्थियों को उनके पट्टों का वितरण किया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि फॉलोअप कैंप में लंबित पड़े सभी आवेदनों पर तेजी से कार्यवाही की जाए। उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे कि लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान युवा दल सचिव पालिका अधिशासी अधिकारी राजकुमार पारख, शैलेश काला, तरुण कुमार लहरी, रमेश लूथरा, पूर्व पार्षद संतोष यादव और सरदार जसमीत सिंह सलूजा शामिल रहे।

मानवता की मिसाल पेश करते रक्त वीर ठंडी रात में पहुंचकर किया रक्तदान

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर एक उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक आसिफ टीपू खान ने बताया कि बीती रात लगभग 11 बजे सकील प्यारे का फोन आया, जिसमें जानकारी दी गई कि राजगढ़ की महिला मुस्कान गंभीर स्थिति में है और उसे तुरंत 6 यूनिट O+ रक्त की बहुत ही जल्द जरूरत है। स्थिति की नाजुकता को समझते हुए आसिफ टीपू खान ने बिना देर किए अपने साथी रक्तदाताओं इस्लाम खान, अजीज चौहान और नविद नसवान से संपर्क किया। मानवता की मिसाल पेश करते हुए तीनों रक्तवीर रात के समय ही ब्लड बैंक पहुँचे। ठंडी रात, देर का समय और व्यक्तिगत व्यस्तताओं के बावजूद उन्होंने एक अनजान महिला की जान बचाने के लिए आगे बढ़कर रक्तदान किया। उनके इस साहस, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना को देखते हुए कहा जा सकता है कि ये युवा वास्तव में समाज के सच्चे हीरो हैं। इस मौके पर सकील प्यारे, हामिद खान रिसालदार और इमरान चौहान भी उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तवीरों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि "रक्तदान सिर्फ एक दान नहीं, बल्कि एक जीवन का उपहार है। "उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे नेक कामों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और नियमित रक्तदान करें, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी के लिए नई उम्मीद और नया जीवन बन सकता है। एक उम्मीद फाउंडेशन हमेशा की तरह मानव सेवा की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है—चाहे वह रक्तदान हो, रोगियों की सहायता, सामाजिक कार्य या ज़रूरतमंदों की मदद। संस्था का उद्देश्य है कि किसी भी जरूरतमंद को समय पर सहायता मिले और समाज में सकारात्मक संदेश फैले।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह में दिया भाईचारे का संदेश

-इंसान का इंसान से हो भाईचारा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शहर के ऐतिहासिक स्थल कोटड़ी रिसालदार में "कायम एजुकेशन एंड वेल्फेयर सोसायटी" के तत्वावधान में इक्कीसवां दीपावाली स्नेह मिलन समारोह गायत्री शक्ति पीठ के रामसिंह राठौड़ व मौलाना अनीश रज्जा के सानिध्य व वरिष्ठ कांग्रेस नेता रफीक मंडेलिया के मुख्य आतिथ्य में शहर के सभी वर्गों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में उत्साहपूर्वक मनाए गए कार्यक्रम के शुभारंभ में समारोह के संयोजक रियाजत अली खान ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए चूरू के लोगों के स्नेह भाव को रेखांकित किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र सोनी ने भारत नाम की व्याख्या की कि भारत मेरा देश है, समस्त भारतवासी मेरे भाई बहन हैं जैसा भाव हर देशवासी के मन में होना चाहिए। गायत्री शक्ति पीठ के रामसिंह राठौड़ ने ऋग्वेद के मंत्र का उल्लेख करते हुए मानव मानव में एकता की बात कही।
सेवा निवृत शिक्षक बाबूलाल शर्मा ने श्रृष्टि की रचना को समझाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रफीक मंडेलिया ने आपसी स्नेह व भाईचारे से रहने की बात कही। मौलाना अनीश रज्जा की ओर से प्रस्तुत आयत के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में उमाशंकर शर्मा, अदुराम न्यौल, अधिवक्ता आशा राम, सेवा निवृत एडिशनल एसपी अयूब खान, इस्माइल खान,महिला कांग्रेस की कपूरिया आदि ने विचार व्यक्त किए।
इस अवसर पर इरशाद मंडेलिया, डॉ. सुरेन्द्र सोनी, , बाबूलाल शर्मा, सुरेन्द्र महला, उमाशंकर, इस्माइल खान, धर्मेंद्र बुडानिया, सुनिता कपूरिया, आशाराम सैनी, ठाकुर मल शर्मा, अय्यूब खान, वाहिद खान, विद्याधर मेघवाल, सहित सैंकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लीलाधर चुलेट ने कियासेवा निवृत शिक्षक बाबूलाल शर्मा ने श्रृष्टि की रचना को समझाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रफीक मंडेलिया ने आपसी स्नेह व भाईचारे से रहने की बात कही।मौलाना अनीश रज्जा की ओर से प्रस्तुत आयत के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में उमाशंकर शर्मा, अदुराम न्यौल, अधिवक्ता आशा राम, सेवा निवृत एडिशनल एसपी अयूब खान, इस्माइल खान,महिला कांग्रेस की कपूरिया आदि ने विचार व्यक्त किए।

चूरू के कनिष्क शर्मा ने शूटिंग में रचा इतिहास

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला खेल स्टेडियम स्थित चिंकारा शूटिंग रेंज के प्रतिभाशाली शूटर कनिष्क शर्मा ने भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया जी. वी. मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर चूरू का नाम एक बार फिर रोशन किया है। प्रतियोगिता में कनिष्क ने बेहतरीन एकाग्रता और मजबूत प्रदर्शन का परिचय दिया। उनके प्रदर्शन ने न केवल उनके कोच और खेल प्रेमियों को प्रभावित किया, बल्कि क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना। चूरू के शिव कॉलोनी निवासी 12वीं कक्षा के छात्र कनिष्क शर्मा के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उनका चयन अब 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हो गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 11 दिसंबर से 31 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर के चूने हुए श्रेष्ठ शूटर हिस्सा लेंगे।15 वर्षीय कनिष्क इस प्रतियोगिता में अपनी राइफल शूटिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हुए देश के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। चिंकारा शूटिंग रेंज के कोच करणवीर सिंह राठौड़ ने कनिष्क की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कनिष्क ने लगातार अभ्यास, अनुशासन और कठिन परिश्रम के दम पर यह मुकाम हासिल कर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। कनिष्क शर्मा की उपलब्धि पर परिवारजनों, शिक्षकों, रेंज के प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। कनिष्क ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच करणवीर सिंह और परिजनों को देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना है।कनिष्क के इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया है कि समर्पण और निरंतर अभ्यास के साथ बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। अब प्रदेश और क्षेत्र की निगाहें दिसंबर में होने वाली नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी।

मदरसा पीर की जाल में किया सामूहिक वंदे मातरम् का गायन

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्ला अलेह के आस्ताने पर मदरसा दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर एवं भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस जीत की ऐतिहासिक भूमिका के सम्मान में नागरिकों में देश-भक्ति, एकता और आत्म-निर्भरता की भावनाओं को लेकर जिले में राजस्थान मदरसा बोर्ड जयपुर से पंजीकृत मदरसा में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वच्छता एवं सेवा अभियान के तहत उपस्थित सभी लोगों एवं विद्यार्थियों द्वारा मदरसा में व आस-पास के क्षेत्र को स्वस्थ रखने का संकल्प लिया गया। मदरसा के नाजिमें आला नबी बक्स ने मदरसा शिक्षा अनुदेशकों एवं विद्यार्थियों ने वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका है । वर्तमान में देश-भक्ति स्वदेशी राष्ट्र गौरव एवं राष्ट्रीय एकता के बारे में बताया। प्रधानाचार्य हुसैन खां ने विद्यार्थियों एवं मदरसा प्रबंधन समिति के सदस्य द्वारा राष्ट्र को आत्म-निर्भर बनाने के लिए स्वदेशी का संकल्प लिया गया। इस मौके पर मौलाना हासम दल अकबरी, मौलाना कारी अब्दुल शकुर सिद्दीकी, मौलाना अब्दुल सत्तार सिद्दीकी, कारी मुबारक हुसैन सरवरी, अध्यापक रुस्तम खान, अध्यापक रमेश खान सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

लायंस क्लब ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर किया मीडियाकर्मियों का सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय स्थित नगर श्री शोध संस्थान में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष में लायंस क्लब चूरू द्वारा मीडियाकर्मियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, डीडीपीआर कुमार अजय, लायन बालकिशन राजगड़िया सहित अतिथियों ने शिरकत की। इस दौरान क्लब अध्यक्ष लायन राजीव शर्मा, सचिव लायन संजीव कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष लायन आकाश सोनी तथा संयोजक लायन राजीव चाहर भी मंचस्थ रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि सशक्त राष्ट्र और बेहतर समाज के निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका है। मीडिया के माध्यम से समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक समुचित व सटीक जानकारी समयबद्ध ढंग से पहुंच पाती है। उन्होंने कहा कि हम सभी नागरिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए देश की विकास यात्रा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि एआई जहां सूचना प्रसारण को तेज और सुलभ बना रहा है, वहीं तथ्य की सत्यता और प्रामाणिकता की चुनौती भी बढ़ा रहा है। ऐसे समय में पत्रकारों को और अधिक सतर्क, अनुसंधानपरक एवं तथ्यों की दोहरी जांच करने की आवश्यकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बोलते हुए मुख्यधारा मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती अब विश्वसनियता की रक्षा और तथ्य आधारित रिपोर्टिंग को मजबूत बनाना है। जिला कलक्टर ने पत्रकारों से अपील की कि वे अपनी लेखनी को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और सामाजिक उपयोगिता के साथ जोड़कर देश के विकास और बेहतर समाज निर्माण में सार्थक भूमिका निभाएं। जनसंपर्क उपनिदेशक कुमार अजय ने पत्रकारिता को लोकतंत्र का प्रहरी बताते हुए कहा कि मीडिया का दायित्व सिर्फ सूचना देना नहीं, बल्कि सत्य, संतुलन और समाजहित को प्राथमिकता में रखना भी है। उन्होंने पत्रकारिता में मौलिकता के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि मीडिया का सबसे बड़ा मूल्य उसकी मौलिकता है। आज कॉपी-पेस्ट, पुनर्लेखन और बिना स्रोत के सामग्री साझा करने का खतरा बढ़ गया है। ऐसे समय में मौलिक रिपोर्टिंग, फील्ड इनपुट और ग्राउंड रियलिटी पर आधारित सामग्री ही पत्रकार की असली पहचान बनाती है। उन्होंने कहा कि हम रचनात्मकता, शोध, विश्वसनीयता और निष्पक्षता को केंद्र में रखते हुए समाज को सही दिशा देने का कार्य करें। एपीआरओ मनीष कुमार ने जिम्मेदार और रचनात्मक पत्रकारिता की आवश्यकता पर बल दिया। क्लब अध्यक्ष लायन राजीव शर्मा के अतिथियों का स्वागत किया तथा पत्रकारिता को समाज की दिशा निर्धारित करने वाली प्रभावी व दायित्वपूर्ण शक्ति बताते हुए मीडियाकर्मियों का अभिनंदन किया। लायन बालकिशन राजगढ़िया ने लायंस क्लब की सेवाओं और पत्रकारों के योगदान को सराहा। गुरुदास भारती व बुलकेश चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए। अतिथियों ने मीडियाकर्मियों का शॉल, माल्यार्पण व प्रशस्ति—पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया। संयोजक लायन राजीव चाहर ने सभी अतिथियों, पत्रकारों एवं उपस्थितों का आभार जताया। इस दौरान लायन चंद्रशेखर अग्रवाल, लायन शैलेन्द्र माथुर, लायन रामचंद्र राजोतिया, लायन सुनील रंजन टकणेत, लायन मुकुल सिगतिया, लायन आबिद खान, लायन महेंद्र धानुका, लायन कमल जांगिड़, डॉ राजकुमार पूनिया, लायन रघुवीर सिंह गुरावा, लायन महेश हारित, लायन दीनदयाल सैनी, लायन ताराचन्द प्रजापत, लायन शंकरलाल सैनी, लायन अशोक जांगिड़, लायन विजय इसरानी आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन जॉन चैयरमेन लायन चंदप्रकाश खत्री ने किया।

आई एफ़ डब्ल्यू जे की बैठक सम्पन्न

पाली (रॉयल पत्रिका) । आईएफ़डब्ल्यूजे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेशाध्यक्ष उपेंद्रसिंह राठौड़ के निर्देशन में IFWJ पाली शाखा के मारवाड़ ब्लॉक की बैठक जिलाध्यक्ष संदीप राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई । जिसमें मारवाड़ क्षेत्र के समस्त पत्रकार साथियों ने शिरकत की। इस दौरान बैठक में संगठनात्मक स्तर पर विस्तृत चर्चा हुई तो वही ब्लॉक अध्यक्ष पद हेतु चुनाव अधिकारी के रूप में सिकन्दर खान (गुडलक टाइम्स) द्वारा चुनाव प्रक्रिया पूरी की जिसमें सर्वसम्मति से दैनिक भास्कर धनला के संवाददाता मुकेश सोलंकी के नाम पर सहमति जताई । वहीं समस्त पत्रकार साथियों ने IFWJ मारवाड़ शाखा के ब्लॉक अध्यक्ष पद हेतु मुकेश सोलंकी के मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दीं । इस अवसर पर निर्मल बुरासिया धनला, सुरेश पंवार आऊवा, अनिल मारू मारवाड़, चांदमल सोनी गुडा मोकमसिंह, हीरालाल शर्मा कंटालिया, मनोज माली मारवाड़, अनिल सैन बांता, दिलीप मेवाड़ा सिरियारी, प्रकाश सिरियारी, प्रवीण परिहार बांता, दिलीप कराड़ी, कैलाश भाटिया मारवाड़, धनराज राजकियावास, नरेश परिहार कंटालिया, रविन्द्र बांता आदि मौजूद रहे।

यूसुफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल में बाल दिवस पर कंप्यूटर लैब का भव्य शुभारम्भ

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर बाल दिवस के अवसर पर यूसुफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल, चूरू में आधुनिक तकनीक से सुसज्जित कंप्यूटर लैब का भव्य शुभारम्भ किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में छात्राएँ, अभिभावक एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद रफीक कुरैशी पुत्र अकबर हुसैन कुरैशी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मुमताज अली कुरैशी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भामाशाह रमजान कुरैशी हाजीवाला शामिल हुए। सभी अतिथिगणों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नई कंप्यूटर लैब का लोकार्पण किया। समारोह की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं द्वारा कुरान पाक की आयतों के तिलावत से हुई, जिससे वातावरण आध्यात्मिक और सुसंस्कृत बन गया। उसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. मुमताज अली कुरैशी का स्वागत अध्यक्ष हाजी मुस्ताक कुरैशी ने माला पहनाकर किया। वहीं विशिष्ट अतिथि रमजान कुरैशी हाजीवाला का स्वागत मोहम्मद रफीक कुरैश ने सम्मानपूर्वक माला पहनाकर किया। इसी क्रम में अब्दुल गफ्फार टाईवाला का स्वागत उपाध्यक्ष हाजी याकूब थीम ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. मुमताज अली कुरैशी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर का ज्ञान प्रत्येक छात्रा को नए अवसर, रोजगार संभावनाओं और तकनीकी दक्षता की दिशा में आगे बढ़ाता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में ऐसी अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण होना एक सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम है। उपाध्यक्ष हाजी याकूब थीम ने जानकारी देते हुए कहा कि नई कंप्यूटर लैब में आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम, हाई-स्पीड इंटरनेट और आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाई गई है, जिससे छात्राएँ तकनीक के क्षेत्र में मजबूत आधार बना सकेंगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से भी जोड़ना है। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका फरीदा कुरैशी और अध्यापिका शाहिना बानो ने संयोजित एवं प्रभावशाली ढंग से किया।
समापन राष्ट्रगान और मौलाना ईमरान साहब की दुवा के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय और छात्राओं की प्रगति की कामना की गई। इस अवसर पर सचिव आवेश कुरैशी, उपसचिव आबिद बेहलीम एडवोकेट, कोषाध्यक्ष आदिल कुरैशी, कोषाध्यक्ष अलाउद्दीन कुरैशी, हाजी जाफर कुरैशी, हाजी शरीफ बांगी, मुफ्ती सफीक थीम, हाफिज अब्दुल सतार, मुस्तफा कुरैशी, मुफ्ती इरशाद सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उत्साह, उमंग और बाल दिवस की खुशियों का वातावरण छाया रहा।

तनाव प्रबंधन नहीं किया तो हो सकते है एंजाइटी, डिप्रेशन- डॉ. जीनगर

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर के नव प्रशिक्षणार्थी एवं अधिकारी के बीच डॉ. जितेंद्र जीनगर, प्रोफेसर एवं विभागध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग गीतांजली हॉस्पिटल ने कार्य स्थल पर हो रहे तनाव व उसके प्रबंधन के बारे में विस्तृत में चर्चा करी ।
डॉ. जीनगर ने कहा कि तनाव बढ़ने पर एंजाइटी, फोबिया, ओसीडी, डिप्रेशन, नशे के आदी होने की संभावना बढ़ जाती है साथ ही आत्महत्या के विचार भी आ सकते है । लगातार तनाव में रहने से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं व्यावहारिक बदलाव आने लगते है । कार्यस्थल पर तनाव के मुख्य कारण जिसमे, लंबे समय तक कार्य करना, स्टाफ की कमी, कार्यसमय में फ्लेक्सिबिलिटी न होना, कार्य का बोझ, असुरक्षित जगह कार्य करना, कार्य कुशलता की कमी, सीनियर्स के साथ कम्युनिकेशन की कमी, निर्णय लेने का अधिकार नहीं, पारस्परिक सहयोग की कमी, वेतन में असमानता, शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना आदि हैं । इससे कार्य क्षमता में कमी, अकाग्रता में कमी, भूख प्यास में बदलाव, नींद की समस्या, मूड स्विंग होना, काम करने की इच्छा कम होना, थकावट रहना, डर-भय लगना, आत्मविश्वास में कमी, व्यवहार में चिडचिडापन होना, शारीरिक लक्षण आना जैसे (सिरदर्द, एसिडिटि, पेट दर्द, घबराहट, सीने में दर्द) व्यक्ति का नशे की तरफ़ भागना ईत्याधि बदलाव आने लग जाते है । तनाव प्रबंधन के लिए नियमित व्यायाम करे, फल फ्रूट का सेवन बढ़ाए, योग-प्राणायाम करे, ब्रीथिंग रिलैक्सेशन टेक्नीक प्रैक्टिस करे, मेंडिटेशन प्रैक्टिस करे, अपनी हॉबी में समय बिताये, पर्याप्त मात्रा में नींद लेवे, अपने कार्य और व्यक्तिगत जीवन में बैलेंस बनाए रखे, कार्य स्थल पर छोटे छोटे ब्रेक लेते रहे, सकारात्मक विचारधारा रखें, ना बोलना सिखे, अपने दोस्तों और परिवार जनों से बातचित करे, छुट्टियों पर जाये ।

बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में गीतांजली हॉस्पिटल की डॉ. सविता चौधरी के दो महत्वपूर्ण व्याख्यान

सम्मेलन में उनकी विशेषज्ञता की सराहना की गई।

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर की डॉ. सविता चौधरी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष – इमरजेंसी मेडिसिन, ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित रामैया मेडिकल कॉलेज में आयोजित ट्रॉमा एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर के वार्षिक सम्मेलन में दो महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किए।
यह सम्मेलन का विषय था—
"Collaborative Multidisciplinary Approach to Trauma Care and Beyond"
जिसमें देशभर से विशेषज्ञों ने ट्रॉमा मैनेजमेंट के आधुनिक तरीकों और अनुभवों को साझा किया।
डॉ. सविता चौधरी ने सम्मेलन में दो प्रमुख विषयों पर व्याख्यान दिए:
छाती की चोटें एवं आपातकालीन हस्तक्षेप (Chest Injury & Emergency Intervention)
गर्भवती महिलाओं में ट्रॉमा प्रबंधन (Obstetrics Trauma)
उनके व्याख्यानों ने ट्रॉमा के जटिल मामलों में बहु-विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता और सही प्रोटोकॉल के महत्व को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

मौलाना आज़ाद के व्यक्तित्व को अपना आदर्श बनायें - डॉ. काज़मी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, लेखक, पत्रकार और विचारक थे। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री रहें और उन्होंने अपने जीवन को शिक्षा, एकता और सामाजिक सुधार के कार्यों के लिए समर्पित किया। वे हिन्दू-मुस्लिम एकता के पक्षधर रहे। ये कहना है मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. जमील काज़मी का। वे मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जन्मदिवस पर घोषित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं उनके 137वें जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अपना सम्बोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मौलाना आज़ाद का योगदान भारतीय समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वह बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी थे। हम सब उनके व्यक्तित्व को अपना आदर्श बनाये। प्रोग्राम कॉर्डिनेटर व उर्दू विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर अज़ीज़ुलहसन ने कहा कि मौलाना आज़ाद का जीवन शिक्षा, मानवता और एकता के आदर्शों से परिपूर्ण था। उन्होंने आधुनिक भारत की शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव रखी। भारत सरकार ने उनकी स्मृति में 11 नवम्बर को "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस" (नेशनल एज्यूकेशन डे) घोषित किया है जो उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण और आदर्शों को स्मरण करता है। शिक्षा विभाग की डीन डॉ. समीना ने बताया कि मौलाना आज़ाद का मानना था कि शिक्षा हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की नींव रखी। उनका कथन था "शिक्षा का अर्थ केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि मनुष्य का पूर्ण विकास है।" उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), यूनिवर्सिटी एज्यूकेशन कमीशन, सेकेन्ड्री एज्यूकेशन कमीशन, ऑल इण्डिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एज्यूकेशन, इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर टेक्नॉलोजी, इण्डियन कौंसिल फॉर एग्रीकल्चरल एण्ड साइंटीफिक रिसर्च, आईआईटी खड़गपुर, साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी व ललित कला अकादमी जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना की। इन संस्थानों ने भारतीय शिक्षा और संस्कृति को एक नई दिशा दी। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अब्दुल्लाह खलिद ने कहा कि मौलाना आज़ाद ने तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा को आधुनिक भारत की प्रगति के लिए आवश्यक माना। उन्होंने उच्च शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा को भी बढ़ावा दिया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना ने बताया कि मौलाना आज़ाद ने हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं को भारत की सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में देखा। उनके अनुसार, भाषा विभाजन का नहीं, एकता का माध्यम होनी चाहिए। डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने बताया कि एमएससी थर्ड सेम की छात्रा ज़हीन सय्यद, एमए थर्ड सेम के छात्र इदरीस, एमए थर्ड सेम के छात्र सज्जाद ने देश की आज़ादी में मौलाना आज़ाद के संघर्ष और आजादी के बाद के नये भारत के विकास में उनके योगदान को याद किया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

यह मुझे अपनी शुरुआत की याद दिलाएगा

श्रुति हासन

शेयर किया अपना पहला रॉ म्यूजिक वीडियो

एक व्यक्ति को कलाकार बनने और प्रसिद्धि हासिल करने के लिए दिन-रात एक करने होते हैं। पर्दे के सामने की चमक के पीछे कितनी कड़ी मेहनत है, ये बातें तभी महसूस की जा सकती हैं जब कोई खुद उस यात्रा का हिस्सा बनता है। ऐसा ही अनुभव श्रुति हासन ने भी महसूस किया है और बताया कि एक इंडिपेंडेंट सिंगर को एक म्यूजिक बनाने के लिए क्या कुछ करना पड़ता है। साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकीं श्रुति हासन एक बड़ा चेहरा हैं, और अब वे सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि म्यूजिक की दुनिया में भी कदम रख चुकी हैं। उन्होंने एसएस राजामौली की मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' के गाने में अपनी आवाज दी है, और उन्हें पहली बार ग्लोबट्रॉटर के मेगा लॉन्च पर पहली बार बड़ी हस्तियों के सामने परफॉर्म करने का मौका मिला। अब श्रुति ने अपना पहला सिंगल सॉन्ग कैसे बनाया, उसको लेकर उन्होंने एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लिखा, 'मैं यह गाना कभी शेयर नहीं करती अगर वह खूबसूरत शाम न होती। हमें हजारों लोगों के सामने परफॉर्म करने का सौभाग्य मिला है, लेकिन उस तालियों से पहले का सन्नाटा ही कला और कलाकार के मिलन की असली जगह होती है। ' उन्होंने आगे लिखा, 'जब मैं वाराणसी/ग्लोबट्रॉटर के लिए इस बेहतरीन ट्रैक को रिकॉर्ड कर रही थी, तो म्यूजिशियन काला भैरवा ने कहा कि मुझे आपका गाना 'एज' बहुत पसंद है और एक स्वतंत्र संगीतकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत मायने रखती है। अब कभी भी मेरी किस्मत आगे जाकर चमकेगी तो ये वीडियो मुझे मेरी शुरुआत की याद दिलाएगा। उन्होंने बताया कि ये वीडियो उन्होंने लॉकडाउन के वक्त रिकॉर्ड किया था और म्यूजिशियन करन पारीख को भेजा था और कहा था कि इस पर काम करते हैं।उन्होंने लिखा, 'मेरी इस जर्नी में मेरा साथ देने वाले सभी संगीतकारों का मैं दिल से शुक्रिया करती हूं।' बता दें कि एसएस राजामौली की मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' के लिए श्रुति हासन ने म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरवानी के साथ मिलकर गाने को आवाज दी है। अभी तक सिर्फ गाने की ऑडियो रिलीज की गई है। फैंस को श्रुति का सिंगिंग टैलेंट काफी पसंद आ रहा है। इसके साथ ही 'वाराणसी' का पोस्टर भी शनिवार की देर शाम को रिलीज कर दिया गया है, जिसमें महेश बाबू बैल पर सवार, हाथ में त्रिशूल लिए नजर आए। फिल्म पर्दे पर साल 2027 में आएगी और फिल्म से प्रियंका का पहला लुक भी रिवील हो चुका है, लेकिन अभी उनके लुक का टीजर रिलीज होना बाकी है।

फातिमा सना शेख ने विजय वर्मा के साथ शेयर की तस्वीरें

जानिए गुस्ताख इश्क कब होगी रिलीज

अभिनेत्री फातिमा सना शेख और विजय वर्मा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर विजय वर्मा के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। फातिमा ने पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, 'गुस्ताख इश्क 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' तस्वीरों में दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। फातिमा के फैंस उनकी नई फिल्म को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों की केमिस्ट्री देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि फिल्म और भी ज्यादा मजेदार होने वाली है। इस फिल्म से मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा प्रोडक्शन में डेब्यू कर रहे हैं, जो स्टेज 5 प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी मनुष नंदन ने की है और साउंड डिजाइन रेसुल पूकुट्टी ने किया है। यह फिल्म न केवल एक प्रेम कहानी है, बल्कि क्लासिक और आधुनिक सिनेमा का संगम भी है।

अपेक्षा पोरवाल की बड़ी छलांग रजनीकांत की जेलर 2 में

तेज़ रफ़्तार से ऊपर उठ रहीं अपेक्षा पोरवाल, जो अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी हैं, अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है – यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं – और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

पति संग पहली बार मस्जिद गईं

सोनाक्षी सिन्हा

जहीर इकबाल बोले- धर्म परिवर्तन के लिए नहीं ले जा रहा...

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड के लवली कपल में से एक हैं। दोनों की रोमांटिक बॉन्डिंग फैंस को काफी पसंद आती है। सोनाक्षी और जहीर अक्सर अपनी रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। सोनाक्षी ने अपना व्लॉग भी शुरू कर दिया है। सोनाक्षी ने अपना एक व्लॉग शेयर किया है, जिसमें वो मस्जिद जाने के लिए एक्साइटेड नजर आ रही हैं। वही उनके पति जहीर सोनाक्षी के धर्म परिवर्तन को लेकर उड़ने वाली अफवाहों पर मजेदार रिएक्शन दे रहे है। इस व्लॉग के जरिए जहीर ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। दरअसल, सोनाक्षी और जहीर हाल ही में एक प्रमोशनल ट्रिप के लिए अबू धाबी गए थे। इस ट्रिप का व्लॉग सोनाक्षी ने शेयर किया है। वीडियो में सोनाक्षी मस्जिद जाने के लिए काफी एक्साइटेड नजर आ रही है। एक्ट्रेस ने बताया कि यह ट्रिप थोड़ी खास और एक्साइटिंग होने वाली है। सोनाक्षी कहती हैं, मैं अबू धाबी आकर बहुत एक्साइटेड हूं। क्योंकि पहली बार मैं किसी मस्जिद में जाने वाली हूं।

दुबई में शाहरुख खान के नाम पर बनेगा 4000 करोड़ का टॉवर

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनियाभर में जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। अरब देशों में भी लोग उनकी फिल्मों के दीवाने हैं। शाहरुख खान पॉपुलैरिटी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके नाम पर दुबई में एक आलीशान टावर बनने जा रहा है। दुबई की एक रियल एस्टेट कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि वे एक टावर बनाने की योजना बना रहे हैं जिसका नाम शाहरुख के नाम पर रखा जाएगा। इस प्रॉपर्टी का नाम 'शाहरुख्ज डेन्यूब' होगा। इतना ही नहीं इस इमारत के आगे किंग खान की मूर्ति भी लगाई जाएगी। हाल ही में मुंबई में हुए एक इवेंट में शाहरुख खान ने अपने नाम पर बन रही बिल्डिंग 'शाहरुख डेन्यूब' का उद्घाटन किया। उनके साथ इस बिल्डिंग के फाउंडर और चेयरमैन रिजवान सनज भी मौजूद थे। इस इवेंट में शाहरुख ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं क्या कहूं? मेरी मां ज़िंदा होती तो बहुत खुश होतीं।

परिधि शर्मा ने बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल गाने पर किया डांस फैंस ने

कमेंट सेक्शन में भेजे हार्ट इमोजी

लोकप्रिय धारावाहिक जोधा-अकबर से घर-घर में मशहूर होने वाली अभिनेत्री परिधि शर्मा इन दिनों फिल्म 'हक' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' गाने पर शानदार एक्सप्रेशन के साथ डांस करती दिखीं। वीडियो में परिधि पीले रंग की साड़ी पहनी हुई है। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें 'हार्ट', 'फायर', और 'स्माइली' इमोजी शेयर कर रहे हैं। 'बड़ी मुश्किल बाबा बड़ी मुश्किल' गाना साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'लज्जा' का है। इस गाने को अल्का यागनिक ने गाया है। वहीं गाने के बोल समीर के हैं। गाने में माधुरी दीक्षित और मनीषा कोइराला ने डांस किया है, जिसे लोग आज भी पसंद करते हैं। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित फिल्म में रेखा, माधुरी दीक्षित, मनीषा कोइराला, महिमा चौधरी, अनिल कपूर, अजय देवगन और जैकी श्रॉफ अहम भूमिका में थे।

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग

हुमा कुरैशी

दिल्ली क्राइम सीजन-3 और महारानी-4 से ओटीटी पर तहलका मचाने वाली हुमा कुरैशी हर तरफ छाई हुई हैं। दोनों ही सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और अब एक्ट्रेस ने दिल्ली क्राइम सीजन-3 को लेकर खुलकर बात की है और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि सिनेमा में हर तरह की फिल्में बननी चाहिए, चाहे वे छोटी हो या बड़ी।

हुमा कुरैशी ने आईएएनएस से बातचीत में बड़ी और छोटी दोनों तरह की फिल्में बनाने पर जोर दिया। हुमा ने कहा, 'हिंदी सिनेमा के लिए हमेशा बड़ी फिल्में ही जरूरी नहीं हैं, इतनी ही जरूरत छोटी और कम बजट वाली फिल्मों की भी है, और ऐसे कार्यक्रम उन सभी स्टार्स, निर्देशकों, और एक्टर्स को प्लेटफॉर्म देते हैं। 'उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छी फिल्में बनानी होंगी। हमें ऑडियंस को देखकर अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। बार-बार एक तरह की फिल्म बनाने से नहीं होगा। बड़ी फिल्में और छोटी फिल्में दोनों को बराबर अहमियत देने की जरूरत है।दिल्ली क्राइम सीजन-3 में अपने निगेटिव रोल पर बात करते हुए हुमा ने कहा, 'मैंने पहली बार जिंदगी में इतना निगेटिव रोल प्ले किया है। जब पहली बार मुझे कॉल आया, तो मुझे लगा कि कॉप के किरदार के लिए फोन किया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, आपको निगेटिव रोल करना होगा। ये रोल मेरे लिए प्ले करना मुश्किल था, लेकिन मजा भी आया। उस वक्त में महारानी-4 की शूटिंग भी कर रही थी। मेरे लिए एक ही समय पर दो तरह के अलग रोल प्ले करना आसान नहीं था। 'बता दें कि दिल्ली क्राइम सीजन 3 में हुमा कुरैशी ने एक दीदी का रोल प्ले किया है, जो छोटी बच्चियों की तस्करी करती है। सीरीज इस बार बस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार विदेश तक फैले हैं।

(साभार एजेंसी)

'मस्ती 4' का ग्लैमरस और हाई एनर्जेटिक गाना

'वन इन करोड़' हुआ रिलीज़

'मस्ती 4' के ग्रैंड रिलीज़ में अब बस एक हफ्ता बचा है, और इसी बीच मेकर्स वेवबैंड प्रोडक्शन ने फिल्म का तीसरा हाई एनर्जेटिक गाना 'वन इन करोड़' लॉन्च कर दिया है, जो आते ही सबका ध्यान खींच रहा है! रिब-टिक्लिंग ट्रेलर और चार्टबस्टर हिट्स 'पकड़ पकड़' और 'रसिया बलमा' के बाद यह नया गाना दर्शकों के उत्साह को और बढ़ा रहा है। सिर्फ यही नहीं 21 नवंबर 2025 को थिएट्रिकल रिलीज़ के लिए तैयार 'मस्ती 4' का दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। मीत ब्रदर्स और मेलो डी द्वारा लिखे इस नए गीत का संगीत तैयार किया है मीत ब्रदर्स ने। फिल्म के ग्लैमरस साइड, भव्यता और विज़ुअली स्टनिंग वाइब को दर्शाता यह ट्रैक यूके की एक विशाल, आलीशान हवेली या एस्टेट में फिल्माया गया है, जो इस गाने को और रिचनेस देता है। सिर्फ यही नहीं एलीगेंट डेकोर, हाई-फैशन स्टाइलिंग और पॉलिश्ड एस्थेटिक्स का संगम, यह गीत 'मस्ती' फ्रेंचाइज़ की बोल्ड और फन-लविंग पहचान को मजबूती से उभारता है। इस गाने में ओजी 'मस्ती' बॉयज़ रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी नज़र आ रहे हैं, जिनके साथ प्रमुख अभिनेत्रियाँ रूही सिंह, श्रेया शर्मा और एलनाज़ नोरौज़ी भी शामिल हैं। इनके साथ अर्जुन वारसी और नरगिस फाखरी भी दिखाई देते हैं, जो सभी अपनी कमाल की स्क्रीन प्रेज़ेंस और चार्म से गाने को और आकर्षक बनाते हैं। कैची हुक लाइन, जबरदस्त एनर्जी और लग्ज़री से भरी म्यूज़िकल स्ट्रक्चर से लैस यह ट्रैक भी जल्द ही दर्शकों की चार्टबस्टर हिट्स में शामिल हो जाए तो आश्चर्य नहीं। इस गाने के बारे में मीत ब्रदर्स का कहना है, ''वन इन करोड़' के साथ हमारा मकसद एक ऐसा ग्लैमरस, हाई-एनर्जी ट्रैक बनाना था, जो बड़ा, बोल्ड और तुरंत दिल को बांध लेने वाला हो और हमें खुशी है कि हम इसमें सफल हों। 'मस्ती' का वाइब हमेशा फन और फ्लर्टी होता है, इसलिए हमने म्यूज़िक को उसी अपस्केल, इंटरनेशनल फील के साथ तैयार किया है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट :

'लो-स्कोरिंग' मुकाबले में भारत की हार

साउथ अफ्रीका ने बनाई 1-0 से लीड

कोलकाता, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले गए 'लो-स्कोरिंग' टेस्ट मैच को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। भारतीय टीम को दूसरी पारी में जीत के लिए महज 124 रन का टारगेट मिला था, लेकिन टीम इंडिया महज 93 रन ही बना सकी।

कप्तान गिल गर्दन में चोट की वजह से दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम पहली पारी में महज 159 रन पर सिमट गई। एडेन मार्करम ने 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर और टोनी डी जोरजी ने 24-24 रन की पारी खेली। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में भारतीय टीम पहली पारी में महज 189 रन पर सिमट गई। इस पारी में केएल राहुल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 29 रन टीम के खाते में जोड़े। साउथ अफ्रीका की तरफ से साइमन हार्मर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मार्को जेनसन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। भारत के पास पहली पारी के आधार पर महज 30 रन की बढ़त थी।

दूसरी पारी में कप्तान टेंबा बावुमा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और 136 गेंदों में 4 चौकों के साथ नाबाद 55 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका। इस पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट हाथ लगे।

इस तीसरे दिन की शुरुआत से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्पष्ट कर दिया था कि कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से मुकाबले का शेष हिस्सा नहीं खेलेंगे। ऐसे में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर उतरे, लेकिन चौथी गेंद पर ही साझेदारी टूट गई। जायसवाल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए। तीसरे ओवर तक केएल राहुल (1) भी आउट हो गए थे। यहां से वाशिंगटन सुंदर ने ध्रुव जुरेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन साझेदारी टूटते ही मेजबान टीम फिर से लड़खड़ा गई। इस बीच अक्षर पटेल ने 17 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 26 रन बनाए। उन्होंने 35वें ओवर में तीन बाउंड्री जड़ी, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

साउथ अफ्रीका की तरफ से साइमन हार्मर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मार्को जेनसन और केशव महाराज ने 2-2 विकेट निकाले। एडेन मार्करम ने एक विकेट अपने नाम किया।

डब्ल्यूबीबीएलः

डिएंड्रा डॉटिन ने गेंद के बाद बल्ले से बिखेरी चमक, रेनेगेड्स ने दर्ज की जीत

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रेनेगेड्स ने प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर अपनी जगह बना ली है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने इस सीजन अब तक 4 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। ब्रिस्बेन हीट और सिडनी थंडर्स के खिलाफ जीत के बाद टीम को एडिलेड स्ट्राइकर्स के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा था।

दूसरी ओर, 3 में से 1 मैच जीतने वाली मेलबर्न स्टार्स ने इस सीजन एक मैच गंवाया है, जबकि एक मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है। जंक्शन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 7 विकेट खोकर 141 रन बनाए। टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने मारिजैन कप्प के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़ते हुए टीम को शतक के करीब पहुंचाया। रिस मैककेना ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सदरलैंड और किम गार्थ ने 29-29 रन बनाए। मारिजैन कप्प ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सकीं। विपक्षी टीम से डिएंड्रा डॉटिन ने सर्वाधिक 3 विकेट अपने नाम किए। चारिस बेकर, मिल्ली इलिंगवर्थ, सोफी मोलिन्यूक्स और जॉर्जिया वेयरहैम ने 1-1 विकेट निकाला। इसके जवाब में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 18.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टीम महज 9 रन पर डेविना पेरिन का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद सोफी मोलिन्यूक्स ने कोर्टनी वेब के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 58 रन जोड़कर पारी को मजबूती दी। मोलिन्यूक्स 32 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। कोर्टनी वेब ने रेनेगेड्स की पारी में 37 रन का योगदान दिया। गेंद से चमक बिखेरने के बाद डॉटिन ने 6 गेंदों में 1 छक्के और 1 चौके के साथ 13 रन बनाए। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

भारतीय टीम ने ही मांगी, क्यूरेटर की गलती नहीं...

पिच विवाद पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में आयोजित टेस्ट मैच की पिच को लेकर बहस छिड़ी हुई है. इस मुकाबले में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है. खेल के पहले दिन 11 विकेट गिरे. वहीं दूसरे दिन गिरने वाले विकेटों की संख्या 15 रही. फिर तीसरे दिन भी विकेट्स गिरने का सिलसिला जारी रहा. इस मैच की किसी भी पारी में 200 से ज्यादा रन नहीं बना, जिससे पता चलता है कि पिच पर बैटिंग करना कठिन था. विकेट लगातार गिरते रहे और पिच की भारी आलोचना हुई. मैच तीसरे ही दिन समाप्त होने जा रहा है. टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तो कहा कि टेस्ट क्रिकेट को मजाक बना दिया गया है. उन्होंने हैशटैग किया- यानी टेस्ट क्रिकेट का अंत. ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने बड़ा खुलासा किया है. सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम को वही पिच मिली, जो टीम ने डिमांड की थी. गांगुली ने पिच विवाद में ईडन के क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव किया. बात करते हुए गांगुली ने कहा, 'पिच बिल्कुल वैसी ही तैयार हुई थी.

इसलिए बल्लेबाजी करना हुआ मुश्किलः गांगुली ने बताया कि पिच पर चार दिनों तक पानी नहीं डाला गया, इसलिए यह इतनी सूखी और बल्लेबाजी के लिए कठिन बन गई. उन्होंने कहा, 'पिच वही थी जो भारतीय टीम चाहती थी. चार दिन पानी नहीं देने पर ऐसी ही पिच बनेगी. इसके लिए क्यूरेटर सुजान मुखर्जी को दोष नहीं दिया जा सकता.'

मैच में साउथ अफ्रीका अपनी पहली पारी में सिर्फ 159 रनों पर ऑलआउट हो गया. फिर भारतीय टीम भी अपनी पहली इनिंग्स में सिर्फ 189 रनों तक ही पहुंच सकी. फिर दूसरी पारी में साउथ अफ्रीकी टीम सिर्फ 153 रनों पर आउट हो गई.

'हर मैच में रन बनाना...'

● टीम इंडिया से बाहर होने पर सरफराज खान का छलका दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के लिए सरफराज खान को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है. ऑस्ट्रेलिया दौरे (2024-25) पर सरफराज स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन एक भी मैच में मौका नहीं मिला. फिर सरफाज इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे. सरफराज ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था. उसके बाद उन्हें टेस्ट क्रिकेट में चांस नहीं मिला है. घरेलू क्रिकेट में सरफराज का रिकॉर्ड इतना शानदार है कि उनका चयन अपने-आप में तय लगता है. हालांकि सरफराज को अब इंडिया-ए टीम में भी जगह नहीं मिल रही है. सरफराज ने हिम्मत नहीं हारी है और रणजी ट्रॉफी 2025-26 के जरिए दोबारा टीम इंडिया में वापसी की कोशिश कर रहे हैं. सरफराज ने कुछ महीने पहले काफी वजन कम किया था, फिर भी सेलेक्शन नहीं हुआ. सरफराज बताते हैं कि वह बिल्कुल भी निराश नहीं हैं. सरफराज खान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं नहीं समझता कि मुझे कुछ बदलने की जरूरत है. मैं अच्छा कर रहा हूं. मैं हमेशा ट्रेनिंग में बहुत गेंदें खेलता हूं और अब भी उतनी ही मेहनत करता हूं. हर मैच में रन बनाना संभव नहीं है. पिछले चार सीजन अच्छे गए हैं.'

सरफराज को टीम में वापसी का पूरा यकीन

सरफराज खान ने आगे कहा, 'कभी-कभी बल्लेबाज अच्छी गेंद पर भी आउट हो जाता है, लेकिन हम फिर लौटकर रन बना सकते हैं.' सरफराज ने साफ कहा कि भारतीय टीम से बाहर होने पर उन्हें गुस्सा नहीं आ रहा है, बल्कि अपने कमबैक पर पूरा भरोसा है. सरफराज रणजी ट्रॉफी 2025-26 में मुंबई के लिए 5 मैचों में सिर्फ 111 रन बनाए हैं. सरफराज खान ने कहा, 'बिल्कुल भी निराशा नहीं है. मेरा रिकॉर्ड देखिए- मैंने बहुत रन बनाए हैं. लोग चार साल में एक सीजन हजार रन बनाते हैं, लेकिन मैंने चार-पांच साल लगातार जमकर रन बनाए हैं.' टेस्ट क्रिकेट में सरफराज के आंकड़े ठीक रहे हैं. उन्होंने भारतीय टीम के लिए 6 मैचों में 37.10 की औसत से 371 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल रहे. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नंबर और भी शानदार हैं. सरफराज ने 59 मैचों में 63.10 की औसत से 4796 रन बनाए हैं. इस दौरान उन्होंने 16 शतक और 15 अर्धशतक लगाए.

तैराकीः

ओलंपिक में कब शामिल हुआ ये रोमांचक खेल?

नई दिल्ली, एजेंसी। इतिहास में कभी किसी व्यक्ति ने अगर किसी नदी या तालाब को पार किया होगा, तो उसे शायद ही इसका अनुमान रहा होगा कि आगे चलकर यह प्रथा एक खेल के रूप में विकसित होगी और तैराकी के नाम से जानी जाएगी। उस दिन से तैराकी काफी आगे निकल चुकी है और अब लंबे समय से ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर एक रोमांचक खेल के रूप में प्रतिष्ठित है। अगर इतिहास पर गौर करें तो लगभग 7000 ईसा पूर्व की गुफा चित्रों में तैराकी के प्रमाण मिलते हैं।

प्राचीन मिस्र, ग्रीस और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। आगे चलकर 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे-धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में हिस्सा लेने का मौका 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फ्लिपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल डी नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज की तारीख में तैराकी को खेल के साथ-साथ फिटनेस के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम माना जाता है। ओलंपिक खेलों में तैराक के रूप में अमेरिका के माइकल फेल्प्स सबसे सफल हैं। फेल्प्स ने ओलंपिक में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाले एथलीट हैं।

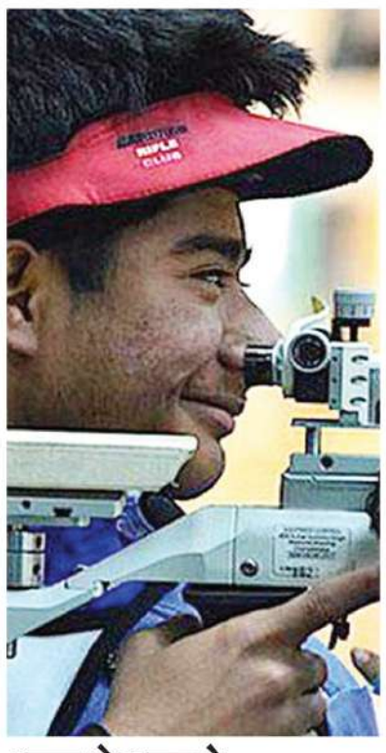

भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। धनुष श्रीकांत ने रविवार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत के पदकों की संख्या अब दो हो गई है।

रिंग से बाहर गिरते ही थमने लगीं सांसें, मेडिकल इमरजेंसी ने चौंकाया, फैंस ने रेफरी पर निकाली भड़ास

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटिश बॉक्सर एकोव एसुमान शनिवार 15 नवंबर 2025 की रात टोटेनहम हॉटस्पर स्टेडियम में हुए अपने मुकाबले में बुरी तरह घायल हो गए। जैक कैटरॉल के खिलाफ इस रोमांचक भिड़ंत का अंत बेहद विवादास्पद तरीके से हुआ, जिसके बाद एसुमान कुछ देर तक रिंग में पड़े रहे और मेडिकल टीम को उन्हें ऑक्सीजन देनी पड़ी। नॉटिंघम के 36 वर्षीय स्टार एसुमान और 32 वर्षीय कैटरॉल के बीच यह वेल्टरवेट बाउट क्रिस यूबैंक जूनियर बनाम कॉनर बेन 2 के अंडरकार्ड में लड़ी गई। शुरुआती राउंड से ही मुकाबला तेज और आक्रामक रहा, लेकिन 11वें राउंड में एक ऐसा पल आया जिसने फैंस को भी झकझोर दिया।

कैटरॉल ने 11वें राउंड में एक तेज अपरकट लगाया, जिसके बाद एसुमान लड़खड़ा गए। इसी दौरान रेफरी ने ब्रेक का इशारा किया, लेकिन कैटरॉल ने प्रहार जारी रखे। एसुमान गिर गए, लेकिन रेफरी ने रुकवाए बिना फाइट को वहीं से जारी रखने दिया। यही बात फैंस के गुस्से का मुख्य कारण बनी। कुछ सेकंड बाद कैटरॉल ने लगातार कई पंच मारे, जिनकी मार से एसुमान रिंग की रस्सियों के बाहर जा गिरे। इसके बाद मुकाबले को तुरंत रोक दिया गया। मेडिकल टीम एसुमान की ओर दौड़ी। DAZN कमेंटेटर्स के मुताबिक, उन्हें दी गई ऑक्सीजन प्रोटोकॉल के तहत एक सामान्य प्रक्रिया थी।

गंभीर प्रहार के बाद स्टेडियम में कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। एसुमान कई सेकंड तक उठ नहीं पाए। जब उन्हें मेडिकल टीम की मदद से बैठाया गया और उन्होंने खुद को संभाला तब जाकर दर्शकों ने राहत की सांस ली और तालियां बजाईं।

एटीपी फाईनलः

मिनौर को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर, अब अल्कारेज से होगा सामना

तूरिन, एजेंसी। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी।

इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में एलेक्स डी मिनौर को को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। सिनर और अल्कारेज पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं। अल्कारेज ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीता, जबकि सिनर ने विंबलडन में अल्कारेज को शिकस्त दी थी।

खिलाड़ी पर चल रहा रेप केस, फिर भी आरसीबी ने किया रिटेन

सोशल मीडिया पर तगड़ा बवाल आरसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी रिटेंशन लिस्ट में यश दयाल को भी शामिल किया है. आरसीबी के इस फैसले की जमकर आलोचना हो रही है, क्योंकि यश पर अभी 2 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पोक्सो एक्ट के तहत एक मामला भी शामिल है. पिछले साल आरसीबी ने यश दयाल को 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था. यश दयाल पर गाजियाबाद और जयपुर में दो अलग-अलग मामले दर्ज हैं और दोनों ही यौन शोषण से संबंधित हैं. ऋषिकेश द्वारा उन्हें रिटेन किए जाने से फ्रैंचाइजी के रुख पर सवाल खड़े होने लगे हैं. इस रिटेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर लोग 2 गुटों में बंट गए हैं. कुछ लोगों ने तो यह तक कहा कि गंभीर मामले दर्ज होने के बावजूद यश को रिटेन करके आरसीबी फ्रैंचाइजी समाज में गलत संदेश दे रही है. आरसीबी फ्रैंचाइजी ने यश दयाल को रिटेन करने पर अलग से कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है. टीम की ओर से यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि उसने यश दयाल पर लगे आरोपों को लेकर बीसीसीआई से संपर्क साधा है या नहीं. आपको बताते चलें कि यश दयाल ने आईपीएल 2025 के फाइनल के बाद कोई प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट नहीं खेला है.

झेल चुके हैं सस्पेंशन

इसी साल अगस्त में दर्ज मामलों की गंभीरता को देखते हुए यूपी टी20 लीग के आयोजकों ने यश दयाल को लीग में भाग लेने से रोक दिया था. वो गोरखपुर लायंस के लिए खेलने वाले थे. वहीं डोमेस्टिक सीजन में वो अभी तक उत्तर प्रदेश के लिए एक भी मैच में नहीं खेलते दिखे हैं. ये सब खबरें उनके क्रिकेट में भविष्य को कटघरे में लाकर खड़ा कर रही हैं.

जयशंकर ने द्विपक्षीय साझेदारी और क्षेत्रीय विकास के मुद्दे पर बहरीन के विदेश मंत्री के साथ चर्चा की

» न्यूयॉर्क, भाषा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहरीन के अपने समकक्ष अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी के साथ फोन पर बातचीत की और बहरीन तथा भारत के बीच दीर्घकालिक बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। न्यूयॉर्क के दौरे पर आए जयशंकर ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुलातिफ बिन राशिद अल जायनी से फोन पर बात करके अच्छा लगा। दोनों मंत्रियों ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कहा, दोनों देशों की दीर्घकालिक बहुआयामी साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में नई दिल्ली में व्यापक चर्चा की थी और कहा था कि दोनों देश एक निवेश समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। उस वक्त भारत और बहरीन ने एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने दोहरा कराधान बचाव समझौता (डीटीएए) के लिए बातचीत शुरू करने को लेकर एक आम समझ विकसित करने पर भी सहमति व्यक्त की थी। अधिकारियों ने कहा था कि इससे दोहरे कराधान को खत्म करने, कर निश्चितता प्रदान करने और व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। बहरीन और भारत के बीच पिछले कुछ वर्षों में समग्र द्विपक्षीय संबंधों में तेजी देखी गई है, 2024 और 2025 में दोनों पक्षों का व्यापार 1.64 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। इस खाड़ी देश में लगभग 3,32,000 भारतीय नागरिक रहते हैं, जो उस देश की कुल 15 लाख की आबादी का लगभग एक चौथाई हिस्सा हैं। भारत बहरीन के शीर्ष पांच व्यापारिक साझेदारों में से एक है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

दोहा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से यहां मुलाकात की तथा ऊर्जा, व्यापार और निवेश सहित द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की। जयशंकर ने थानी के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया। थानी कतर के विदेश मंत्री भी हैं। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दोहा में, कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अल थानी से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने कहा, ऊर्जा, व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संपर्क सहित हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की गई। पश्चिम एशिया, क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों के आदान-प्रदान की सराहना की गई। सरकारी कतर समाचार एजेंसी के अनुसार, दोनों विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, 2023-24 में कतर के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 14.08 अरब अमेरिकी डॉलर का था।

भारतीय राजदूत क्वात्रा ने एस-इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम को संबोधित किया

ह्यूस्टन (अमेरिका), भाषा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने 26वें वार्षिक यूएस-इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स (यूएसआईसीओसी) डीएफडब्ल्यू पुरस्कार समारोह को संबोधित किया और दोनों देशों के बीच व्यापारिक साझेदारी एवं सामुदायिक जुड़ाव को गहरा करने में यूएसआईसीओसी की भूमिका की सराहना की। महावाणिज्य दूत डी सी मंजूनाथ ने भारत और टेक्सास के बीच नवोन्मेष, व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में चैंबर की भूमिका और बढ़ते भारतीय समुदाय के लिए वाणिज्य दूतावास सेवाओं के विस्तार के प्रयासों को रेखांकित किया। क्वात्रा ने पिछले मंगलवार को वाशिंगटन स्थित दूतावास से एक वीडियो संदेश के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित किया। सीनेटर जॉन कॉर्निन ने चैंबर के संस्थापक अध्यक्ष ए. के. मागो के साथ द्विदलीय सीनेट इंडिया कॉकस की सह-स्थापना करने और भारत-अमेरिका संबंधों को बढ़ावा देने पर बात की। इस कार्यक्रम में चैंबर ने विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को सम्मानित भी किया। अशोक मागो, प्राइमरी केयर क्लिनिक, लिगेसी अवार्ड और वाल्मीकि मुखर्जी साइबर फ्यूचर फाउंडेशन को उद्योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। डलास विश्वविद्यालय के अध्यक्ष जोनाथन जे. सैनफोर्ड को शिक्षा में उत्कृष्टता और कोलिन काउंटी के जिला अभियोजक ग्रेग विलिस को लोक सेवा में उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया।

देश की चरमराई शरण प्रणाली को सुधारने के लिए एक नैतिक मिशन बताया

अवैध आव्रजन ब्रिटेन में विभाजन पैदा कर रहा है: गृहमंत्री शबाना महमूद

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने रविवार को कहा कि अवैध आव्रजन ब्रिटेन में विभाजन पैदा कर रहा है और देश को एकजुट करने के वास्ते शरणार्थियों के लिए स्थाई निवास हासिल करने हेतु 20 साल की विस्तारित प्रतीक्षा अवधि जैसे सख्त उपायों की आवश्यकता है। सोमवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में निर्धारित बयान से पहले मीडिया साक्षात्कारों के दौरान, दक्षिण एशियाई विरासत कैबिनेट मंत्री ने इन मुद्दों को देश की चरमराई शरण प्रणाली को सुधारने के लिए एक नैतिक मिशन बताया। इससे पहले की उन खबरों की पुष्टि हुई है कि ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने डेनमार्क की कठोर प्रणाली की तर्ज पर अपनी नवीनतम आव्रजन कार्रवाई की योजना बनाई है।

महमूद ने द संडे टाइम्स से कहा, मैं देख सकती हूं - और मुझे पता है कि मेरे सहकर्मी भी देख सकते हैं - कि अवैध प्रवास हमारे देश में विभाजन पैदा कर रहा है। लेबर सरकार के तौर पर हमारा काम अपने देश को एकजुट करना है और अगर हम इसे नहीं सुलझाते हैं, तो मुझे लगता है कि हमारा देश और भी ज़्यादा बंट जाएगा। स्काई न्यूज द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी कुछ कार्रवाईयों को नस्ली माना जा सकता है, उन्होंने जवाब दिया, मैं इसे पूरी तरह से खारिज करती हूं। मैं प्रवासियों की संतान हूं। मेरे माता-पिता 60 के दशक के अंत और 70 के दशक के आरंभ में कानूनी तौर पर इस देश में आए थे। यह मेरे लिए एक नैतिक मिशन है। उन्होंने कहा, मैं देख सकती हूं कि अवैध प्रवासन हमारे देश में विभाजन पैदा कर रहा है। मैं देख सकती हूं कि यह देश भर के समुदायों में ध्रुवीकरण पैदा कर रहा है। मैं देख सकती हूं कि यह लोगों को विभाजित कर रहा है और उन्हें एक-दूसरे से अलग कर रहा है। मैं चुपचाप खड़े होकर अपने देश में ऐसा होते नहीं देखना चाहती। संसद में महमूद यह घोषणा करने वाली हैं कि ब्रिटेन में शरणार्थी का दर्जा अस्थाई होगा तथा जिनके देश सुरक्षित हो जाएंगे, उन्हें तुरंत उनके देश भेज दिया जाएगा तथा हर 30 महीने में उनकी शरणार्थी स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

मेक्सिको सिटी में जेन जेड के विरोध ने पकड़ा जोर, हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

मेक्सिको सिटी, भाषा। मेक्सिको में अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेनरेशन जेड द्वारा आहूत प्रदर्शन के समर्थन में शनिवार को यहां हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। इस विरोध प्रदर्शन का विपक्षी दलों के विभिन्न आयुवर्ग के लोगों ने भी समर्थन किया। प्रदर्शन में कुछ युवाओं की पुलिस से झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरों, पटाखों, लाठियों एवं जंजीरों से हमला किया और पुलिस की ढालें एवं अन्य उपकरण छीन लिए। राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने बताया कि 120 लोग घायल हुए हैं जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी हैं। इस संबंध में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 1990 के दशक के अंत और 2010 के प्रारंभ के बीच जन्मे लोगों ने इस वर्ष कई देशों में असमानता, लोकतांत्रिक पतन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रदर्शन किए हैं। नेपाल में हाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद सितंबर में सबसे बड़ा जेन जेड विरोध प्रदर्शन हुआ था जिसके कारण उस देश के प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। मेक्सिको में कई युवाओं का कहना है कि वे भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों के लिए दंड से मुक्ति जैसी प्रणालीगत समस्याओं से निराश हैं। युवाओं द्वारा आहूत इस प्रदर्शन में विभिन्न आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फॉक्स और मेक्सिकन अरबपति रिकार्डो सेलिनास प्लीगो ने विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में संदेश प्रसारित किए। एक प्रदर्शनकारी एन्ड्रेस मासा (29) ने कहा, हमें अधिक सुरक्षा की आवश्यकता है।

न्यूज ब्रीफ

फिलीपीन, अमेरिका व जापान के समुद्री अभ्यासों के विरुद्ध बीजिंग की दक्षिण चीन सागर में गश्त

» बीजिंग, भाषा।

चीन की सेना ने रविवार को पहली बार विवादित दक्षिण चीन सागर में अपने लड़ाकू विमानों के साथ बॉम्बर फॉर्मेशन गश्त का संचालन किया। यह अभ्यास फिलीपीन को एक चेतावनी थी, जिसकी नौसेना ने अमेरिका और जापान के साथ संयुक्त गश्त की थी। बीजिंग, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, साथ ही उसका फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान के साथ समुद्री विवाद है।

ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी दक्षिणी थिएटर कमान ने घोषणा की कि उसने फिलीपीन द्वारा बाहरी ताकतों के साथ की गई संयुक्त गश्त के बीच बमवर्षक फॉर्मेशन गश्- का संचालन किया है, यह पहली बार है जब इस तरह के कदम की घोषणा की गई है। अमेरिका, जापान और फिलीपीन द्वारा आयोजित दो-दिवसीय समुद्री अभ्यास शुक्रवार से शनिवार तक जारी रहा। दक्षिणी थिएटर कमांड के प्रवक्ता सीनियर कर्नल तियान जुनली ने एक बयान में कहा कि फिलीपीन ने बार-बार बाहरी ताकतों के साथ मिलकर तथाकथित संयुक्त गश्त की है, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा, हम फिलीपीनी पक्ष को चेतावनी देते हैं कि वह उकसाना और तनाव बढ़ाना बंद करे।

अमेरिका की दिव्यांगता अधिकार कार्यकर्ता और लेखिका एलिस वोंग का 51 वर्ष की उम्र में निधन

» सैनफ्रांसिस्को, भाषा।

दिव्यांगता के बावजूद अपनी आत्मनिर्भरता और लेखन से दूसरों को प्रेरित करने वाली अमेरिका की दिव्यांगता अधिकार कार्यकर्ता एवं लेखिका एलिस वोंग का निधन हो गया है। वह 51 वर्ष की थीं। वोंग का संक्रमण के कारण शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया। यह जानकारी उनकी करीबी दोस्त सैंडी हो ने दी जो वोंग के परिवार के संपर्क में थीं।

हो ने अपनी दोस्त को एक ऐसी शख्सियत बताया जिसने दिव्यांगता न्याय आंदोलन को मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि वोंग एक ऐसी दुनिया चाहती थीं जहां दिव्यांग लोग, खासकर हाशिए पर रहने वाले लोग, एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोग और अप्रवासी स्वतंत्र रूप से रह सकें तथा अपने जीवन और निर्णयों पर उनकी पूर्ण स्वायत्तता हो। हांगकांग के एक अप्रवासी की बेटी वोंग जन्म से मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (मांसपेशियों की कमजोरी से जुड़ी आनुवांशिक बीमारी) से पीड़ित थीं। वह व्हीलचेयर और सहायक श्वास उपकरण का इस्तेमाल करती थीं।

देश अब किसी भी स्थान पर यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है: ईरान के विदेश मंत्री

» तेहरान, भाषा।

ईरान के विदेश मंत्री ने रविवार को कहा कि तेहरान अब देश में किसी भी स्थान पर यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। ईरान की यात्रा पर आए एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता के प्रश्न का उत्तर देते हुए विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जून में इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान के संवर्धन स्थलों पर बमबारी के बाद उसके परमाणु कार्यक्रम के संबंध में ईरानी सरकार की ओर से प्रतिक्रिया दी।

अराघची ने कहा, ईरान में कोई अघोषित परमाणु संवर्धन नहीं है। हमारी सभी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की सुरक्षा और निगरानी में हैं। उन्होंने कहा, अभी कोई संवर्धन नहीं किया जा रहा है, क्योंकि हमारी संवर्धन सुविधाओं पर हमला किया गया है। ईरान सरकार ने एपी के इस संवाददाता को प्रमुख ब्रिटिश मीडिया संस्थानों और अन्य मीडिया संस्थानों के अन्य संवाददाताओं के साथ एक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिन का वीजा जारी किया।

न्यूजर्सी में बहुमंजिला इमारत से गिरकर बच्चे की मौत

» नेवार्क, भाषा।

न्यूजर्सी में एक बहुमंजिला इमारत की 20वीं मंजिल की खिड़की से कथित तौर पर गिरकर दो साल के बच्चे की मौत हो गई। न्यूजर्सी के अधिकारी बच्चे की मौत के मामले में जांच कर रहे हैं। नेवार्क पुलिस को शनिवार सुबह सात बजे एक बहुमंजिला अपार्टमेंट से एक बच्चे के खिड़की से गिरने की सूचना मिली थी।

एसेक्स काउंटी अभियोजक कार्यालय ने एक बयान में कहा कि नेवार्क लिबर्टी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक सार्वजनिक पार्क से सटे घटनास्थल पर ही बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। काउंटी के अभियोजक थियोडोर स्टीफंस और नेवार्क के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशक इमैनुएल मिरांडा ने जांच की घोषणा की। मामले में तत्काल कोई और जानकारी उपलब्ध नहीं है।

यूक्रेन समझौते पर रूस, अमेरिका सक्रियता से चर्चा कर रहे: क्रेमलिन के सहयोगी

» मॉस्को, भाषा।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अलास्का शिखर वार्ता के निष्कर्षों से यूक्रेन को अवगत करा दिया गया है। रूसी सत्ता प्रतिष्ठान क्रेमलिन के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि रूस इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ संपर्क बनाए हुए है। सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि रूस 15 अगस्त को पुतिन और ट्रंप के बीच अलास्का शिखर सम्मेलन के दौरान बनी सहमति के आधार पर यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अमेरिका के साथ सक्रिय रूप से चर्चा कर रहा है। दोनों नेता रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए 15 अगस्त को हुई बातचीत में किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए थे।

उशाकोव ने सरकारी टीवी से बात करते हुए कहा, एंकरेज में बनी सहमति के आधार पर हम यूक्रेन समझौते पर सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं। हमारा मानना है कि शांतिपूर्ण समाधान के लिए यह वास्तव में एक अच्छा रास्ता है। उशाकोव ने कहा, एंकरेज समझौते को यूक्रेन पक्ष के ध्यान में लाया गया था। कीव को इसकी जानकारी है। उशाकोव ने यह भी बताया कि अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर यह नहीं कहा है कि एंकरेज में हुए समझौते निरर्थक हैं। पूर्व की खबरों के मुताबिक, ट्रंप ने मॉस्को की ओर से कब्जा किए गए क्रीमिया को रूस का अभिन्न अंग मानने पर सहमति जताई थी। इसके साथ ही यूक्रेन के लिए रूसी सेना द्वारा नियंत्रित रूसी आबादी वाले डोनबास से हटना आवश्यक था। बाद में, संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा था कि यूक्रेन यूरोपीय संघ की मदद से क्रीमिया सहित गंवाए हुए सभी क्षेत्रों को वापस लेने में सक्षम है।

रूस के साथ कैदियों के आदान-प्रदान पर काम कर रहा है यूक्रेन : जेलेंस्की

कीव, भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उनका देश रूस के साथ कैदियों की अदला-बदली फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है, जिससे लगभग 1,200 यूक्रेनी कैदी वापस आ सकते हैं। जेलेंस्की के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख रुस्तम उमेरोव ने एक दिन पहले वार्ता में प्रगति की घोषणा की थी। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, हम ...युद्धबंदियों के आदान-प्रदान शुरू किए जाने का भरोसा कर रहे हैं। इसे सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान में कई बैठकें, वार्ताएं और (फोन)कॉल हो रही हैं। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव उमेरोव ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने कैदियों का आदान-प्रदान पुनः शुरू करने के लिए तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में परामर्श किया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इस्तांबुल में मध्यस्थता करके 1,200 यूक्रेनवासियों को रिहा करने के लिए कैदी अदला-बदली समझौतों को सक्रिय करने पर सहमत हुए हैं। मॉस्को ने इस पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। तुर्की की मध्यस्थता में स्थापित इस्तांबुल समझौते-2022 कैदियों के आदान-प्रदान प्रोटोकॉल का उल्लेख करते हैं, जो बड़े, समन्वित आदान-प्रदान के नियम निर्धारित करते हैं। तब से, रूस और यूक्रेन ने हजारों कैदियों को एक-दूसरे को सौंपा है, हालांकि इसकी रफ्तार बहुत ही कम रही है। उमेरोव ने कहा कि प्रक्रियागत और संगठनात्मक विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए शीघ्र ही तकनीकी परामर्श आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लौटने वाले यूक्रेनवासी नए साल और क्रिसमस की छुट्टियां घर पर, परिवार और अपने रिश्तेदारों के साथ मना सकेंगे।

इंटरपोल ने इमरान खान के सहयोगी के खिलाफ मामला बंद किया

» लाहौर, भाषा।

इंटरपोल ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी मूनिस इलाही के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के पाकिस्तान के अनुरोध से संबंधित मामला बंद कर दिया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। पाकिस्तान सरकार ने पूर्व संघीय मंत्री को पकड़ने के लिए इंटरपोल से सहायता मांगी थी, जो लगभग तीन साल पहले खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई के बाद स्पेन चले गए थे। इंटरपोल के एक बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन - इंटरपोल - का महासचिव यह प्रमाणित करता है कि आज की तारीख में मूनिस इलाही इंटरपोल के नोटिस के अधीन नहीं हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार ने मूनिस को प्रत्यर्पित करने के लिए इंटरपोल के समक्ष अपना मामला बनाने के लिए उन पर कई फर्जी प्राथमिकी - हत्या, धनशोधन, भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग - दर्ज की थीं।

मूनिस अक्सर पाकिस्तान के क्रिकेट परिदृश्य को नष्ट करने और खान के समर्थकों पर कार्रवाई करने के लिए उनकी आलोचना करते थे। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही के बेटे मूनिस ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद पीटीआई प्रमुख खान को बुनियादी अधिकार नहीं देने के लिए मौजूदा मुख्यमंत्री मरियम नवाज की भी आलोचना की थी। एक अधिकारी ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया, इंटरपोल ने मूनिस के खिलाफ पाकिस्तान के मामले को खारिज कर दिया क्योंकि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) उनके खिलाफ हत्या, धन शोधन और अन्य मामलों से संबंधित सबूत पेश करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि इंटरपोल ने पाकिस्तान के रुख को स्वीकार नहीं किया।

पाकिस्तान के सिंध में अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, सात की मौत

कराची, भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक अवैध अस्थाई पटाखा निर्माण कारखाने में विस्फोट के कारण कम से कम सात लोग मारे गए और कई घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद शहर के लतीफाबाद इलाके में शनिवार रात एक गैर-लाइसेंसी पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट हुआ। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, लतीफाबाद पुलिस थाने के पास लाघारी गोथ नदी के किनारे एक पटाखा फैक्ट्री में शक्तिशाली विस्फोट की सूचना मिली है। उन्होंने कहा, अब तक मलबे से सात शव निकाले जा चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के बाद शनिवार रात मकान का एक हिस्सा ढह गया तथा कुछ लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। बचाव दल के प्रवक्ता ने बताया कि बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही विस्फोट का वास्तविक कारण पता चल सकेगा।

आव्रजन प्रवर्तन के लिए शार्लेट में हैं गृह सुरक्षा अधिकारी : अमेरिकी संघीय अधिकारी

शार्लेट (अमेरिका), भाषा। अमेरिका के संघीय अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उत्तरी कैरोलाइना के सबसे बड़े शहर में आव्रजन प्रवर्तन में तेजी लाने के लिए गृह सुरक्षा अधिकारियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को कई स्थानों पर गिरफ्तारियां कीं। सहायक गृह मंत्री ट्रीशिया मैकलॉघलिन ने एक बयान में कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए शार्लेट में डीएचएस (गृह सुरक्षा विभाग) कानून प्रवर्तन संबंधी कार्रवाई में तेजी ला रहे हैं कि अमेरिकी सुरक्षित रहे और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं हो। शार्लेट की मेयर वी लाइल्स सहित स्थानीय अधिकारियों ने इस तरह की कार्रवाईयों की आलोचना करते हुए एक बयान में कहा कि इससे अनावश्यक भय और अनिश्चितता पैदा हो रही है। बयान में कहा गया है, हम शार्लेट और मेक्लेनबर्ग काउंटी के लोगों को यह बताना चाहते हैं कि हम उन सभी निवासियों के साथ खड़े हैं जो केवल चैन से अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं। बयान पर काउंटी कमिश्नर मार्क जेरेल और शार्लेट-मेक्लेनबर्ग शिक्षा बोर्ड की स्टेफनी स्नीड ने भी हस्ताक्षर किए हैं। संघीय सरकार ने पहले इस कदम की घोषणा नहीं की थी लेकिन मेक्लेनबर्ग काउंटी के शेरिफ गैरी मैकफैडेन ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि दो संघीय अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि सीमा शुल्क एजेंट जल्द शार्लेट पहुंचेंगे। कैमिनो (शार्लेट में परिवारों की सेवा करने वाली एक द्विभाषी गैर-लाभकारी संस्था) की प्रवक्ता पाओला गार्सिया ने कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने सीमा गश्ती एवं आईसीई (अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन) एजेंट द्वारा लोगों को रोकने की घटनाओं में शुक्रवार से वृद्धि देखी है।

ब्राजील: लूला के पूर्व मानवाधिकार मंत्री पर यौन दुराचार के औपचारिक रूप से आरोप लगे

» रियो डी जेनेरियो, भाषा।

ब्राजील की संघीय पुलिस ने देश राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला दा सिल्वा के पूर्व मानवाधिकार मंत्री सिल्वियो अल्मेडा पर यौन दुराचार का औपचारिक आरोप लगाया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले साल ये आरोप लगने के बाद अल्मेडा को बर्खास्त कर दिया गया था। अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। अब अभियोजक तय करेंगे कि आरोप लगाए जाएं या नहीं। अगर वे ऐसा करते हैं तो इस स्थिति में अल्मेडा पर मुकदमा चलाया जाएगा। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पुलिस ने अल्मेडा पर शुक्रवार को औपचारिक रूप से आरोप लगाए।

आरोप लगाए जाने के बाद से अल्मेडा ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि इससे पूर्व वह इस तरह के आरोपों से इनकार कर चुके हैं। यौन हिंसा की शिकार महिलाओं का बचाव करने वाले संगठन मीटू ब्राज़ील ने कहा था कि उसे पूर्व मंत्री द्वारा यौन दुराचार की शिकायतें मिली हैं जिसके बाद लूला ने पिछले साल सितंबर में अल्मेडा को बर्खास्त कर दिया था। मीडिया ने कथित पीड़ितों में से एक के रूप में नस्ली समानता मंत्री एनीले फ्रेंको का नाम लिया था, जिन्होंने बाद में लूला के फैसले की सराहना की। फ्रेंको ने अपनी बहन एवं रियो डी जेनेरियो की पार्षद मारिएल फ्रेंको की हत्या के बाद राजनीति में प्रवेश किया था।

उच्चतम न्यायालय केवल पारंपरिक दीवानी और आपराधिक मामलों से ही निपटेगा

पाकिस्तान के लाहौर में वकीलों ने संविधान संशोधन के खिलाफ हड़ताल की घोषणा की

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के लाहौर शहर में वकीलों ने उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को कम करने वाले विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन के खिलाफ रविवार को हड़ताल की घोषणा की और न्यायाधीशों से अपना विरोध दर्ज कराने के लिए इस्तीफा देने का भी आग्रह किया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बृहस्पतिवार को 27वें संविधान संशोधन पर हस्ताक्षर कर उसे कानून बना दिया, जिसमें रथा बलों के प्रमुख के एक नए पद और एक संवैधानिक न्यायालय के सृजन का प्रावधान है। तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों - उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीश न्यायमूर्ति सैयद मंसूर अली शाह, न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह और लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति शम्स महमूद मिर्जा ने विवादास्पद संशोधन के खिलाफ इस्तीफा दे दिया है।

न्यायाधीशों ने इसे संविधान और न्यायपालिका पर हमलों करार दिया। लाहौर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन (एलएचसीबीए) ने इस्तीफा देने वाले न्यायाधीशों की उनके सिद्धांतवादी रुख के लिए रविवार को उनकी सराहना की और सोमवार को लाहौर में अदालती कार्यवाही की हड़ताल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे न्यायपालिका और लोकतंत्र पर हमले के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए अदालती कार्यवाही का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। संशोधित कानून संविधान से संबंधित मामलों से निपटने के लिए संघीय संवैधानिक न्यायालय (एफसीसी) की स्थापना का प्रावधान करता है, जबकि मौजूदा उच्चतम न्यायालय केवल पारंपरिक दीवानी और आपराधिक मामलों से ही निपटेगा। एलएचसीबीए ने संविधान के तहत शपथ लेने वाले अन्य न्यायाधीशों से भी इस्तीफा देने का आग्रह किया। एलएचसीबीए ने कहा,कानूनी समुदाय उनके इस कदम का सम्मान करेगा। संशोधन से सेना प्रमुख आसिम मुनीर को रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) के रूप में 2030 तक पद पर बने रहने की अनुमति मिल जाएगी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,